दैनिक
एशियन रिपोर्टर
RNI.NO.MPHIN/2013/54854
www.asianreporter.online

एशियन रिपोर्टर समूह
Since 1994
मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल से प्रकाशित साप्ताहिक एवं दैनिक समाचार पत्र, ई-पेपर, न्यूज़ पोर्टल, और यूट्यूब चैनल से जुड़कर निष्पक्ष, निर्भीक, राष्ट्रवादी पत्रकारिता करें ।
मध्य प्रदेश के सभी जिलों, तहसीलों और नगरों में संवाददाता नियुक्त करना है।
संपर्क -
व्हाट्सएप
8349212122

वर्षः 13, अंकः 130 | संपादक : कल्याण मल जैन | भोपाल, मंगलवार 03 मार्च, 2026 | प्रधान संपादक : सुश्री मैना जैन | पृष्ठ : 8, मूल्य : 2 रुपए

अमेरिका ने हमले के लिए इस्तेमाल किया था, ब्रिटिश पीएम स्टार्मर ने इजाजत दी थी

ईरान ने साइप्रस में ब्रिटिश एयरबेस पर ड्रोन हमला किया

तेल अवीव/तेहरान, एजेंसी

इजराइल-अमेरिका और ईरान जंग का आज तीसरा दिन है। ईरान ने साइप्रस मेंब्रिटिश रॉयल एयर फोर्स (आरएएफ) के अक्रोटिरी बेस पर ड्रोन हमला किया है। ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय के अनुसार, रविवार देर रात हुए इस हमले में बेस को मामूली नुकसान पहुंचा, लेकिन कोई हताहत नहीं हुआ। इसके जवाब में ब्रिटिश सेना कार्रवाई कर रही है। दरअसल, ब्रिटिश क्क्रू कीर स्टारमर ने ईरानी मिसाइल साइट्स पर हमले के लिए अमेरिका को इस बेस का इस्तेमाल करने की अनुमति दी थी।

ईरान ने सोमवार को मिडिल-ईस्ट के 4 देशों में 6 अमेरिकी बेस पर हमला किया है। कुवैत में अमेरिका के कई फाइटर जेट क्रैश हो गए है। जेट हवा में गोल-गोल घूमने के थोड़ी देर बाद जमीन से टकरा गए। हालांकि, इसमें किसी मौत की नहीं हुई है। दूसरी ओर ईरान के टॉप नेशनल सिक्योरिटी अधिकारी अली लारीजानी ने सोमवार को कहा कि ईरान अमेरिका से कोई बातचीत नहीं करेगा। यह बयान उन खबरों के जवाब में आया है, जिनमें कहा गया था कि ईरान ने अमेरिका से फिर से बातचीत शुरू करने की कोशिश की है।

ईरान में 555 की मौत

अल-जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका और इजराइल ने मिलकर अब तक ईरान के 1000 से ज्यादा ठिकानों पर हमले किए हैं। इस दौरान शुरुआती 30 घंटे में 2000 से ज्यादा बम गिराए गए।

इनमें अब तक 555 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 700 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। एक स्कूल पर मिसाइल गिरने से 180 छात्राओं की मौत हो गई और 45 घायल हैं। 28 फरवरी को शुरू हुई इस लड़ाई के पहले दिन हुई बमबारी में ईरानी सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई मारे गए थे। इसके अलावा रविवार को 3 अमेरिकी सैनिक मारे गए थे।

साइप्रस में ब्रिटिश एयरबेस पर फिर सायरन बजे

साइप्रस में ब्रिटिश एयरफोर्स के अकरोतिरी बेस पर ड्रोन हमले के कुछ घंटे बाद सोमवार दोपहर फिर सायरन बजे हैं। साइप्रस की सरकारी टीवी ष्ट4क्चष्ट ने लाइव प्रसारण में बेस पर सायरन बजने और वहां से विमानों के उड़ान भरने की जानकारी दी।

ईरान ने मिडिल ईस्ट में 6 अमेरिकी बेस को निशाना बनाया

न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान के हमलों में मिडिल ईस्ट में मौजूद कम से कम छह अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया। रिपोर्ट में कहा गया है कि ईरान ने बहरीन, इराक, यूएई और कुवैत में स्थित अमेरिकी बेस पर हमला किया। इन हमलों में मिसाइल और ड्रोन का इस्तेमाल किया गया।

इजराइल बोला- ईरान के 2 खुफिया अधिकारियों को मारा

इजराइल ने कहा है कि उसने ईरान के खुफिया मंत्रालय के 2 अधिकारियों को मार गिराया है। इजराइली रक्षा बल (आईडीएफ) ने दावा किया कि सटीक खुफिया जानकारी के आधार पर की गई एयर स्ट्राइक में सैयद यह्या हमीदी और जलाल पोर हुसैन को निशाना बनाया गया। हमीदी 'इजराइल मामलों' के डिप्टी मिनिस्टर थे और उन पर विदेशों में यहूदियों, पश्चिमी देशों के नागरिकों और ईरान विरोधी तत्वों के खिलाफ गतिविधियों का नेतृत्व करने का आरोप था। जलाल पोर हुसैन मंत्रालय के जासूसी डिवीजन के प्रमुख थे।

ईरान बोला- नतांज न्यूक्लियर फैसिलिटी पर हमला हुआ

यूएन परमाणु एजेंसी में ईरान के राजदूत ने कहा है कि अमेरिका और इजराइल के हवाई हमलों में ईरान की नतांज न्यूक्लियर फैसिलिटी को निशाना बनाया है। ईरान का कहना है कि यह एक न्यूक्लियर सेंटर है, जिस पर अंतरराष्ट्रीय निगरानी रहती है। वहीं संयुक्त राष्ट्र के परमाणु निगरानी निकाय के प्रमुख राफेल ग्रॉसी का कहना है कि उनकी एजेंसी के पास इस बात का कोई संकेत नहीं है कि अमेरिका-इजरायल के हमलों में ईरान में स्थित किसी भी परमाणु प्रतिष्ठान को नुकसान पहुंचा है या उस पर हमला हुआ है।

हमले के बाद सऊदी अरब की रिफाइनरी कंपनी बंद

सऊदी अरब के सरकारी टीवी के मुताबिक, ड्रोन हमले के बाद सऊदी अरामको कंपनी की रास तनूरा रिफाइनरी को कुछ समय के लिए बंद कर दिया गया है। यह रिफाइनरी दम्माम के पास स्थित है। पहले रक्षा मंत्रालय ने बताया था कि दो ड्रोन को मार गिराया गया था, लेकिन उनके मलबे गिरने से तेल रिफाइनरी में आग लग गई।

साइप्रस में ब्रिटिश सैन्य अड्डे पर ड्रोन हमला

ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय के अनुसार, साइप्रस में स्थित ब्रिटिश सैन्य अड्डे पर संदिग्ध ड्रोन हमला हुआ है। इसके जवाब में ब्रिटिश सेना कार्रवाई कर रही है और इस घटना में किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है।

फ्रांस के विदेश मंत्री ने अमेरिका-इजराइल के हमलों पर सवाल उठाए

फ्रांस के विदेश मंत्री जीन-नोएल बैरोट ने कहा है कि ईरान पर अमेरिका और इजराइल के एकतरफा हमलों पर पहले अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा होनी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों पर फैसला करने के लिए यूएन जैसे मंच बने हुए हैं। अगर मामला वहां, खासकर सुरक्षा परिषद में जाता तो सैन्य इस्तेमाल को अंतरराष्ट्रीय मान्यता मिल सकती थी। बारो ने पेरिस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान यह बयान दिया। उन्होंने यह भी कहा कि फिलहाल इस घटना में किसी फ्रांसीसी नागरिक के हताहत होने की खबर नहीं है।

इजराइली सेना बोली- लेबनान पर जमीनी हमले के सभी विकल्प खुले

इजराइली सेना की प्रवक्ता एफी डेफ्रिन ने कहा है कि इजराइल ने लेबनान पर जमीनी हमले के लगभग 100,000 रिजर्व सैनिकों, दर्जनों बटालियनों, ब्रिगेडों और डिवीजनों को जुटाया है, जो रक्षा और आक्रमण दोनों तरह की संभावनाओं के लिए तैयार हैं।

कुवैत बोला- आज कई अमेरिकी विमान दुर्घटनाग्रस्त हुए

कुवैत के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता ने बताया कि आज सुबह कई अमेरिकी सैन्य विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गए। हालांकि, सभी क्रू मेंबर सुरक्षित हैं। उन्हें तुरंत रेस्क्यू करके हॉस्पिटल भेजा गया है। डॉक्टरों की टीम उनकी जांच कर रही है। अधिकारियों ने कहा कि इस मामले में अमेरिकी सेना से बात की गई है और मिलकर जरूरी कदम उठाए गए हैं।

पश्चिम बंगाल में बोले अमित शाह-
टीएमसी के कुशासन से परेशान जनता अब चाहती है बदलाव

दक्षिण 24 परगना, एजेंसी

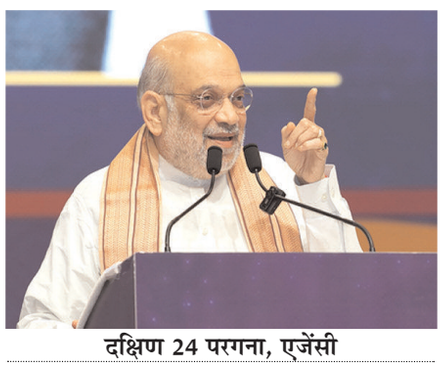

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव से पहले सियासी हलचल तेज हो गई है। इसी कड़ी में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह सोमवार को राज्य में भाजपा की 'परिवर्तन यात्रा' का शुभारंभ करेंगे। वह दोपहर करीब 2 बजे दक्षिण 24 परगना के मथुरापुर में यात्रा को हरी झंडी दिखाएंगे और उसके बाद एक जनसभा को संबोधित करेंगे। अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि टीएमसी के कुशासन से परेशान बंगाल की जनता अब बदलाव चाहती है। उन्होंने लिखा कि इस जनसंकल्प को और मजबूत करने के लिए पश्चिम बंगाल बीजेपी ने 'परिवर्तन यात्रा' शुरू की है। शाह ने कहा कि वह आज दक्षिण 24 परगना से 'परिवर्तन यात्रा' के शुभारंभ पर कार्यकर्ताओं के बीच रहेंगे। इस यात्रा के जरिए भाजपा कार्यकर्ता प्रदेश के कोने-कोने तक 'घुसपैठिया-मुक्त बंगाल' का संदेश लेकर जाएंगे। बता दें कि नौ जगहों से प्रस्तावित इस यात्रा की शुरुआत रविवार को चार जगहों से हो चुकी है। बड़ी जनसभाओं के साथ करीब 5,000 किलोमीटर लंबी यह यात्रा राज्य के अलग-अलग हिस्सों से होकर गुजरेगी। सोमवार को बाकी पांच स्थानों से भी इसे हरी झंडी दिखाई जाएगी। दक्षिण 24 परगना जिले में अमित शाह जनसभा के बाद यात्रा को रवाना करेंगे।

इसी समय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह हावड़ा के आमता में जनसभा को संबोधित करने के बाद यात्रा की शुरुआत करेंगे। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस बर्दमान के हासन विधानसभा क्षेत्र में कार्यक्रम में शामिल होंगे, जहां अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती भी मौजूद रहेंगे। केंद्रीय कृषि मंत्री और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखाली से यात्रा को हरी झंडी दिखाएंगे। वहीं भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन उत्तर दिनाजपुर जिले के इस्लामपुर से दोपहर में यात्रा की शुरुआत करेंगे।

वहीं, रविवार को नितिन नवीन ने कूचबिहार जिले के रासमेला मैदान में जनसभा के बाद परिवर्तन यात्रा का पहला चरण शुरू किया था।

ईरान-अमेरिका युद्ध पर बोले पीएम मोदी
भारत की सोच स्पष्ट, हम विश्व में शांति और स्थिरता के पक्षधर

नई दिल्ली एजेंसी

मिडिल ईस्ट में बढ़ते संघर्ष के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूरी दुनिया को फिर से शांति का संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि विश्व में चल रहे तनावों को लेकर भारत की सोच स्पष्ट है। हमने शांति और स्थिरता बनाए रखने का आह्वान किया है।

जब दो लोकतंत्र साथ खड़े होते हैं तो शांति की आवाज और सशक्त हो जाती है। नई दिल्ली में कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'पश्चिम एशिया की वर्तमान स्थिति हमारे लिए गहरी चिंता का विषय है।

भारत बातचीत और कूटनीति के माध्यम से सभी विवादों के समाधान का समर्थन करता है। इस क्षेत्र में मौजूद सभी भारतीय नागरिकों की सुरक्षा के लिए हम सभी देशों के साथ मिलकर काम करते रहेंगे।'

भारत और कनाडा के बीच हुए समझौतों का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि हम डिफेंस इंडस्ट्रीज, मैरीटाइम डोमेन अवेयरनेस और मिलिट्री एक्सचेंज बढ़ाने पर काम करेंगे। इसी उद्देश्य से आज हमने इंडिया-कनाडा डिफेंस डायलॉग की स्थापना करने का फैसला लिया है।

उन्होंने कहा कि हम सहमत हैं कि आतंकवाद, उग्रवाद और कट्टरपंथ दोनों देशों के लिए ही नहीं, पूरी मानवता के लिए साझा और गंभीर चुनौतियां हैं।

तेलंगानाः पीएसी की बैठक में शामिल हुए राहुल गांधी

हैदराबाद । लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी सोमवार को तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में कांग्रेस के राजनीतिक मामलों की समितियों (पीएसी) की संयुक्त बैठक में शामिल हुए। राहुल गांधी सोमवार सुबह एक दिवसीय यात्रा पर तेलंगाना पहुंचे और विकाराबाद स्थित एसएपी आर्ट्स एंड साइंस कॉलेज में कांग्रेस की राजनीतिक मामलों की संयुक्त समिति (पीएसी) की बैठक में शामिल हुए। राहुल गांधी, केसी वेणुगोपाल के साथ राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पहुंचे और वहां से विकाराबाद के लिए रवाना हुए। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने राहुल गांधी का हवाई अड्डे पर स्वागत किया। उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्का, तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ और आंध्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष वाय.एस शर्मिला ने विकाराबाद में राहुल गांधी का स्वागत किया। पीएसी की बैठक में शामिल होने के बाद राहुल गांधी अनंतगिरी हिल्स के हरिता रिसॉर्ट गए, जहां उन्होंने तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के नवनियुक्त जिला कांग्रेस समिति अध्यक्षों के प्रशिक्षण शिविर में भाग लिया।

अफगानिस्तान का पाकिस्तान के नूरखान एयरबेस पर हमला

तालिबान के मंत्री बोले- हमने डूरंड लाइन पार की, पाक का दावा- 400 अफगान लड़ाके मारे

इस्लामाबाद/ काबुल, एजेंसी

अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच सीमा पर बीते चार दिनों से लगातार हवाई हमले और गोलीबारी जारी है। तालिबान सरकार का कहना है कि हमने पाकिस्तान के बेहद संवेदनशील नूर खान एयरबेस पर हमला किया है। यह एयरबेस रावलपिंडी में है। इसके साथ ही तालिबान के एक मंत्री ने दावा किया कि उनके लड़ाके डूरंड लाइन पार कर पाकिस्तान की जमीन में घुस चुके हैं। तालिबान के मुताबिक, क्वेटा और खैबर पख्तूनख्वा के कुछ सैन्य ठिकानों पर भी हमले किए गए हैं। ये कार्रवाई पाकिस्तान की ओर से काबुल, बगराम और अन्य इलाकों में किए गए हवाई हमलों के जवाब में की गई। दूसरी तरफ पाकिस्तान सरकार ने दावा किया है कि अब तक 400 से ज्यादा अफगान लड़ाके मारे जा चुके हैं और सैकड़ों घायल हुए हैं। पाकिस्तान और अफगानिस्तान में संघर्ष की शुरुआत 22 फरवरी को हुई थी। पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के सीमावर्ती इलाकों में एयरस्ट्राइक की थी। पाकिस्तान के उप गृह मंत्री तलाल चौधरी ने दावा किया था कि सीमावर्ती इलाकों में टीटीपी के ठिकानों पर कार्रवाई में कम से कम 70 लड़ाके मारे गए। बाद में पाकिस्तानी अखबार डॉन ने यह संख्या 80 तक पहुंचने का दावा किया था। इसके जवाब में अफगानिस्तान ने 27 फरवरी को पाकिस्तान पर हमला किया। अफगान रक्षा मंत्रालय ने कहा था कि पाकिस्तान को 'सही समय पर कड़ा जवाब' दिया जाएगा। मंत्रालय ने इन हमलों को देश की संप्रभुता का उल्लंघन बताया था।

पाकिस्तान लंबे समय से अफगानिस्तान की तालिबान सरकार पर दबाव बनाता रहा है कि वह अपनी जमीन का इस्तेमाल किसी भी आतंकी संगठन को न करने दे। इस्लामाबाद का आरोप है कि टीटीपी अफगानिस्तान से ऑपरेट हो रहा है, जबकि तालिबान सरकार इन आरोपों से लगातार इनकार करती रही है।

पीएम मोदी और मार्क कार्नी की वार्ताः
भारत-कनाडा रक्षा संवाद, 50 अरब डॉलर व्यापार लक्ष्य पर सहमति

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कहा कि भारत और कनाडा रक्षा उद्योग, समुद्री क्षेत्र की निगरानी और सैन्य आदान-प्रदान को बढ़ाने की दिशा में काम करेंगे और दोनों देशों के बीच रक्षा संवाद स्थापित करने की घोषणा की। प्रधानमंत्री मोदी ने यह घोषणा कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के साथ नई दिल्ली में हुई वार्ता के बाद संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में की। उन्होंने कहा, 'रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्र में बढ़ता सहयोग हमारी गहरी आपसी विश्वास और संबंधों की परिपक्वता का प्रतीक है। हम रक्षा उद्योग, समुद्री क्षेत्र की जागरूकता और सैन्य आदान-प्रदान को बढ़ाएंगे। आज हमने भारत-कनाडा रक्षा संवाद स्थापित करने का निर्णय लिया है।' पीएम मोदी ने मार्क कार्नी का भारत में गर्मजोशी से स्वागत किया और उनकी यात्रा को एक महत्वपूर्ण बताया।

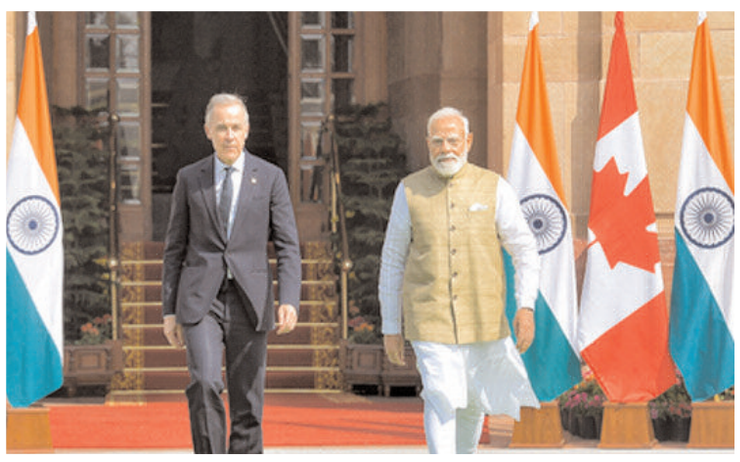

प्रधानमंत्री ने कहा कि दोनों देशों के बीच पहली बैठक के बाद से संबंधों में ऊर्जा, आपसी विश्वास और सकारात्मकता आई है। उन्होंने कहा, 'विश्व में बहुत कम लोग हैं जिनकी जीवनी में दो देशों के केंद्रीय बैंक का नेतृत्व शामिल हो। मैं अपने मित्र प्रधानमंत्री कार्नी को हमारी बढ़ती साझेदारी की गति के लिए श्रेय देता हूं।'

प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी कहा कि भारत और कनाडा का लक्ष्य है कि 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 50 अरब डॉलर तक बढ़ाया जाए। उन्होंने घोषणा की कि दोनों नेता जल्द ही भारत-कनाडा समग्र आर्थिक भागीदारी समझौता को अंतिम रूप देंगे। पीएम मोदी ने कहा, 'भारत और कनाडा लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति गहरी प्रतिबद्धता रखते हैं। हम विविधता का उत्सव मनाते हैं और मानव कल्याण के लिए साझा दृष्टिकोण रखते हैं। आज हमने इस दृष्टिकोण को अगले स्तर की साझेदारी में बदलने पर चर्चा की।'

उन्होंने कहा कि आर्थिक सहयोग की पूरी क्षमता को खोलना सबसे महत्वपूर्ण प्राथमिकता है। इसके लिए दोनों नेताओं ने समझौते को जल्द ही अंतिम रूप देने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा, 'यह दोनों देशों में निवेश और रोजगार के अवसर पैदा करेगा। कनाडाई पेंशन फंड ने भारत में 100 अरब डॉलर का निवेश किया है, जो भारत की विकास कहानी में उनका विश्वास दर्शाता है।' प्रधानमंत्री ने कृषि, एग्री-टेक्नोलॉजी और खाद्य सुरक्षा को साझा प्राथमिकता बताया और घोषणा की कि भारत में भारत-कनाडा पल्स प्रोटीन सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किया जाएगा।

उन्होंने कहा, 'हमें खुशी है कि कनाडा अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन और ग्लोबल बायोफ्यूल अलायंस में शामिल हो गया है। साझा प्रयासों को आगे बढ़ाने के लिए हम इस साल भारत-कनाडा नवीकरणीय ऊर्जा और स्टोरेज समिट आयोजित करेंगे। नागरिक परमाणु ऊर्जा में हमने दीर्घकालीन यूरेनियम आपूर्ति के लिए ऐतिहासिक समझौता किया है। हम छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर और उन्नत रिएक्टरों पर भी साथ काम करेंगे।'

पीएम मोदी ने कहा कि जन-जन के संबंध द्विपक्षीय रिश्तों की प्रेरक शक्ति हैं। उन्होंने कहा, 'आज हमने उन्हें और मजबूत करने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। एआई, स्वास्थ्य, कृषि और नवाचार के क्षेत्र में कई विश्वविद्यालयों के बीच नई साझेदारियां घोषित की गई हैं। कनाडाई विश्वविद्यालय भी भारत में कैंपस खोलने के लिए सहमत हुए हैं।'

नगर पालिका परिषद भाटापारा में धूमधाम से मनाया गया होली मिलन समारोह

नगाड़ों की थाप पर थिरके जनप्रतिनिधि, कोशलपुर की मंडली ने बांधा समां

सौरभ बरवाड़/भाटापारा-

नगर पालिका परिषद भाटापारा के प्रांगण में आज हर्षोल्लास और आपसी भाईचारे के साथ 'होली मिलन समारोह' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति में परिषद के पार्षदों और सभापतियों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण ग्राम कोशलपुर (कोलिहा) से आई पारंपरिक नगाड़ा मंडली रही। मंडली द्वारा प्रस्तुत नगाड़ों की गूँज और पारंपरिक धुनों ने पूरे वातावरण को उत्सव के रंग में सराबोर कर

दिया। नगाड़ों की थाप पर अध्यक्ष अश्वनी शर्मा सहित उपस्थित पार्षदों और सभापतियों ने उत्साहपूर्वक नृत्य कर होली की खुशियाँ बांटी।

स्वल्पाहार का आयोजन

नगर पालिका प्रशासन द्वारा कार्यक्रम में सम्मिलित सभी अतिथियों, कोशलपुर की मंडली के सदस्यों और कर्मचारियों के लिए स्वल्पाहार की विशेष व्यवस्था की गई थी। सभी ने साथ मिलकर जलपान किया और मधुर स्मृतियों के साथ एक-दूसरे को बधाई दी। इस आयोजन में नगर पालिका के विभिन्न वार्डों के पार्षद, विभागीय सभापति, अधिकारी-कर्मचारी और स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

अध्यक्ष अश्वनी शर्मा की भावपूर्ण अपील

इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने नगरवासियों से अपील करते हुए कहा कि 卐होली का पर्व प्रेम, सद्भाव और बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। मैं समस्त भाटापारा वासियों से अपील करता हूँ कि इस त्यौहार को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और पर्यावरण अनुकूल तरीके से मनाएं। रंगों के इस उत्सव में आपसी मतभेदों को भुलाकर भाईचारे को बढ़ावा दें और जल संरक्षण का ध्यान रखते हुए सूखी होली को प्राथमिकता दें। नगर की स्वच्छता और गरिमा बनाए रखने में अपना सहयोग प्रदान करें।

प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना से साकार हो रहा ऊर्जा आत्मनिर्भरता का संकल्प

रायपुर

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में देश को ऊर्जा आत्मनिर्भर बनाने तथा स्वच्छ एवं नवीकरणीय ऊर्जा को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से प्रारंभ की गई प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना आम नागरिकों के जीवन में सकारात्मक बदलाव का माध्यम बन रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ प्रदेश में इस योजना का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है, जिसके परिणामस्वरूप आज नागरिक न केवल बिजली व्यय में राहत पा रहे हैं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण एवं ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा

में भी सशक्त कदम बढ़ा रहे हैं।कोरबा जिले के खरमोरा निवासी श्री हीरा राम साहू इस योजना से लाभान्वित होने वाले नागरिकों में से एक हैं। उन्हें योजना की जानकारी समाचार माध्यमों से प्राप्त हुई। योजना की विशेषताओं एवं अन्य जानकारी प्राप्त करने के पश्चात उन्होंने अपने निवास पर सोलर पैनल स्थापित कराने का निर्णय लिया, जून 2025 में उन्होंने अपने घर पर 3 किलोवाट क्षमता का सौर संयंत्र स्थापित कराया, जिसकी कुल लागत लगभग 2 लाख 10 हजार रुपये आई। जिसमें केंद्र द्वारा 78 हजार रुपये तथा राज्य सरकार द्वारा 30 हजार रुपये का अनुदान प्रदान किया गया। इस प्रकार कुल 1 लाख 8 हजार रुपये की शासकीय सहायता प्राप्त होने से उन पर आर्थिक भार में कमी आई और योजना का लाभ उन्हें सहज रूप से प्राप्त हुआ।

उनके परिवार में चार सदस्य हैं। पूर्व में उनके घर में विद्युत उपयोग मध्यम स्तर का था तथा प्रतिमाह विद्युत बिल एक नियमित व्यय के रूप में देय होता था। पैनल स्थापना के पश्चात पारंपरिक विद्युत पर उनकी निर्भरता लगभग समाप्त हो गई है।

भारत की जनगणना 2027 के सफल संचालन हेतु जिला स्तरीय अधिकारियों का प्रशिक्षण

बेमेतरा

भारत की जनगणना 2027 के सफल एवं सुव्यवस्थित संचालन के लिए देशभर में जिला स्तर पर अधिकारियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ हो चुका है। इसी क्रम में आज जिलाधिकारियों का दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम विधिवत रूप से प्रारंभ हुआ। राज्य जनगणना निदेशालय रायपुर से आई प्रशिक्षक टीम द्वारा जनगणना कार्य हेतु नियुक्त जिला स्तरीय अधिकारियों एवं अन्य प्रशासनिक अधिकारियों को विस्तृत एवं तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान किया गया। राज्य मुख्यालय रायपुर से आए प्रशिक्षक सुष्मिता स्वान एवं शुभम कुशवाहा ने अधिकारियों को जनगणना की संपूर्ण प्रक्रिया, तकनीकी व्यवस्थाओं तथा फील्ड संचालन से संबंधित बिंदुओं पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया। प्रशिक्षण में जनगणना से जुड़े कानूनी प्रावधान, गोपनीयता, डेटा सुरक्षा और कार्य की संवेदनशीलता पर विशेष बल दिया गया।

पूरी तरह डिजिटल होगी जनगणना 2027

प्रशिक्षण में बताया गया कि यह जनगणना भारत की पहली पूर्णतः डिजिटल जनगणना होगी। इस बार कागज आधारित पारंपरिक प्रणाली के स्थान पर आधुनिक डिजिटल टूल्स का उपयोग किया जाएगा, जिससे आंकड़ों की शुद्धता, पारदर्शिता और त्वरित संकलन सुनिश्चित किया जा सके।

दो चरणों में संपन्न होगा कार्य-

अधिकारियों को बताया गया कि जनगणना कार्य दो चरणों में सम्पन्न किया जाएगा प्रथम चरण (1 मई 2026 से 30 मई 2026 तक) = मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य। द्वितीय चरण (फरवरी-मार्च 2027) = जनसंख्या की वास्तविक गणना। प्रशिक्षण में बताया गया कि प्रथम चरण में प्रत्येक भवन एवं आवासीय इकाई का विवरण संकलित किया जाएगा, जबकि द्वितीय चरण में प्रत्येक व्यक्ति की सामाजिक, आर्थिक एवं जनसांख्यिकीय जानकारी दर्ज की जाएगी। जनगणना कार्य के लिए अधिकारियों को मोबाइल एप्लिकेशन, CMMS पोर्टल तथा HLBC वेब पोर्टल के उपयोग की विस्तृत जानकारी दी गई। इन प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से डेटा प्रविष्टि, निगरानी, ब्लॉक निर्माण एवं प्रगणकों की कार्यप्रणाली का संचालन किया जाएगा। इस बार जनगणना में स्व-गणना (सेल्फ ऐनुमैरेशन) का विकल्प भी उपलब्ध रहेगा, जिसके अंतर्गत नागरिक स्वयं पोर्टल के माध्यम से अपनी जानकारी दर्ज कर सकेंगे।

रायगढ़ में 40 नाबालिग वाहन चलाते पकड़ाए

परिजनों को थाने बुलाकर काटा गया 1-1 हजार का चालान, दोबारा पकड़े जाने पर वाहन होंगे जब्त

रायगढ़

छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में पुलिस नाबालिग वाहन चालकों पर कार्रवाई कर रही है। शहर के चौक-चौराहों पर जांच के दौरान 40 ऐसे वाहन चालकों को पकड़ा गया, जो नाबालिग थे। पुलिस ने उनके परिजनों को थाने बुलाकर वाहनों का चालान काटा। साथ ही उन्हें समझाइश भी दी गई। होली त्योहार को लेकर पुलिस अपराधों पर लगाम लगाने के लिए संदिग्ध लोगों पर निगरानी कर रही है। इसके अलावा नाबालिग चालक और मॉडिफाइड साइलेंसर वाले वाहनों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। ऐसे में पुलिस की ओर से नाबालिग चालकों की जांच शुरू की गई। शनिवार को शहर के कोतवाली, चक्रधरनगर और जूटमिल थाना क्षेत्रों के मुख्य चौक-चौराहों पर जांच की गई। इस दौरान कई नाबालिग वाहन चालक तेज रफ्तार से वाहन चलाते हुए नियमों का उल्लंघन करते मिले। कार्रवाई के दौरान 40 नाबालिग वाहन चालकों को वाहन चलाते हुए पकड़ा गया। इसके बाद उनके परिजनों को थाने बुलाकर मोटर व्हीकल एक्ट के तहत प्रत्येक के खिलाफ 1000-1000 रुपए का चालान काटा गया।

परिजनों को कड़ी हिदायत दी

साथ ही नाबालिग चालकों के परिजनों को कड़ी हिदायत दी गई कि भविष्य में उनके बच्चे दोबारा वाहन चलाते पाए गए तो वाहन की जब्ती के साथ परिजनों के खिलाफ भी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस ने परिजनों से की अपील

रायगढ़ पुलिस ने नाबालिग चालकों के परिजनों से अपील की है कि वे अपने नाबालिग बच्चों को वाहन चलाने की अनुमति न दें। साथ ही उन्हें यातायात नियमों का पालन करने की जानकारी दें, ताकि किसी प्रकार की अनहोनी को रोका जा सके और ट्रैफिक नियमों का पालन सुनिश्चित हो सके।

खुद और दूसरों की जान खतरे में डालते हैं- SSP

एसएसपी शशि मोहन सिंह ने बताया कि कई नाबालिग बच्चे वाहन चलाते समय स्वयं एवं अन्य लोगों की सुरक्षा को खतरे में डालते हैं। भविष्य में इस प्रकार की पुनरावृत्ति पाए जाने पर वाहन जब्ती के साथ अभिभावकों के खिलाफ भी कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

महानदी स्थित निवास स्थान पर स्वर्गीय युद्धवीर सिंह वीडियो को जन्म जयंती पर कोटि-कोटि नमन कर श्रद्धांजलि देते हुए शक्ति भाजयुमो अध्यक्ष आलोक पटेल ने कहा कि युद्धवीर सिंह जूदेव का जीवन समाज सेवा, ईमानदारी और जनकल्याण के लिए समर्पित रहा। उन्होंने सदैव क्षेत्र के विकास और जनता की भलाई को अपना सर्वोच्च उद्देश्य माना।उनके सरल स्वभाव, दूरदर्शी नेतृत्व और कर्मठता ने उन्हें जनता के दिलों में विशेष स्थान दिलाया। वे केवल एक जनप्रतिनिधि ही नहीं, बल्कि समाज के मार्गदर्शक और प्रेरणास्त्रोत भी थे। उनके द्वारा किए गए कार्य आज भी हमें सेवा, समर्पण और निष्ठा का संदेश देते हैं। उनकी जयंती पर हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि पुण्य आत्मा को शांति प्रदान करें।

छत्तीसगढ़ में पेश बजट को अपना संकल्प बता वित्त मंत्री ओपी चौधरी असम विधानसभा चुनाव प्रचार हेतु भाजपा के वरिष्ठ साथियों के साथ मौजूद रहे।

उरला में पिस्टल के साथ हिस्ट्रीशीटर मोहम्मद आमीर उर्फ बद्री गिरफ्तार

रायपुर

थाना उरला थाना क्षेत्र में अवैध हथियार लेकर घूम रहे हिस्ट्रीशीटर मोहम्मद आमीर उर्फ बद्री को पुलिस ने रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से एक पिस्टल और एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी को बीरगांव दुर्गानगर स्थित एक निर्माणाधीन कॉम्प्लेक्स के पास पकड़ा गया। सूचना मिलने पर थाना उरला पुलिस टीम ने घेराबंदी कर उसे हिरासत में लिया। पूछताछ के दौरान पिस्टल रखने संबंधी वैध दस्तावेज मांगने पर आरोपी कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका और पुलिस को गुमराह करने की

कोशिश करता रहा। मोहम्मद आमीर थाना उरला का हिस्ट्रीशीटर है। उसके खिलाफ थाना माना, मौदहापारा, खमतराई और उरला में मारपीट, बलवा, लूट, हत्या के प्रयास समेत करीब दो दर्जन से अधिक मामले दर्ज हैं। वह पूर्व में कई मामलों में जेल भी जा चुका है और उसके खिलाफ जिलाबदर की कार्रवाई भी की जा चुकी है।

सिख संगठन की धार्मिक यात्रा, हरी झंडी दिखा किया रवाना

सौरभ बरवाड़/भाटापारा

छत्तीसगढ़ सिख संगठन द्वारा आयोजित श्री हजूर साहिब नांदेड़ एवं गुरुद्वारा नानक झीरा बिदर की निशुल्क धार्मिक यात्रा 1मार्च को रायपुर के स्टेशन रोड स्थित गुरुद्वारा से रवाना हुई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री दीपक बैज जी, मलकीत सिंह गेंदु जी गुरूमुख सिंह होरा जी कुलदीप जुनेजा महेंद्र सिंह छाबड़ा, गुरप्रीत सिंह बाबरा , अमरजीत सिंह चावला कुलदीप सिंह चावला एवं छत्तीसगढ़ सिख संगठन के प्रदेश संयोजक अरूण छाबड़ा ने हरी झंडी दिखाकर यात्रा का शुभारंभ किया।

जत्थेदार संयोजक हरपाल सिंह भांमरा प्रदेश अध्यक्ष

दलजीत सिंह चावला ने बताया कि इस वर्ष यात्रा अपने 25वें वर्ष में प्रवेश कर चुकी है, जिसमें छत्तीसगढ़ के सिख, सिंधी एवं हिंदू श्रद्धालु शामिल है। लगभग 1200 संगत इस यात्रा का हिस्सा बनी है, जिसके लिए 15 बसें एवं 4 ट्रक की व्यवस्था की गई है। यात्रा का कार्यक्रम 1मार्च रायपुर से रवाना होकर नांदेड़ साहिब के ऐतिहासिक गुरुद्वारों के दर्शन, जिनमें गुरुद्वारा माता साहिब कौर, शिकार घाट, नानकसर, रतनगढ़, हिरा घाट, माल टेकरी एवं लंगर साहिब, सचखंड श्री हजूर साहिब में होला महल्ला का आयोजन होगा, जिसके बाद यात्रा बिदर रवाना होगी, संगत गुरुद्वारा नानक झीरा बिदर में आयोजित कीर्तन दरबार में शामिल होगी। इसी स्थल पर गुरु नानक देव जी ने टीले से पत्थर हटाकर मीठे जल का प्रवाह किया था। 7मार्च यात्रा सुबह रायपुर पहुंचेगी।

इस यात्रा के प्रमुख सेवादार इस धार्मिक यात्रा का सफल संचालन करने वाले प्रमुख सेवादारों में जत्थेदार संस्थापक हरपाल सिंह भामरा संयोजक अरूण छाबड़ा प्रदेश अध्यक्ष दलजीत सिंह चावला, गुरुचरन सिंह टैंक, जस्सी सिंह, गुरुभेज सिंह, सागर सिंह, मनोज छाबड़ा आशु राजपाल, मुरली खेमलानी, राजविंदर सिंह खालसा, रोहित, मोनू सलूजा, यसवंत सिंह सहित बड़ी संख्या से समाज के प्रमुख और अन्य लोग शामिल हुए।

केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से मिले उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा

रायपुर

उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने शनिवार के अपने नागपुर प्रवास के दौरान भारत सरकार के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी से महत्वपूर्ण मुलाकात कर राष्ट्रीय राजमार्ग-30 (हृ॥-30) के धवईपानी (चिल्फी) से कवर्धा होते हुए सिमगा तक लगभग 122 किलोमीटर लंबे सेक्शन को 4-लेन में उन्नत करने तथा कवर्धा बायपास (4रू-क्क) के निर्माण की स्वीकृति का आग्रह किया। केंद्रीय मंत्री श्री गडकरी ने इस प्रस्ताव को सकारात्मक रूप से स्वीकार करते हुए शीघ्र आवश्यक कार्यवाही का आश्वासन दिया। उन्होंने केंद्रीय मंत्री श्री गडकरी को बताया कि हाल ही में एनएच - 30 के जबलपुर से मंडला एवं चिल्फी

तक लगभग 160 कि.मी. के सेक्शन को 4-लेन में विकसित करने की स्वीकृति प्रदान की गई है। वर्तमान में चिल्फी (धवईपानी) से कवर्धा तथा कवर्धा गुरूनाला से सिमगा तक का मार्ग 10 मीटर चौड़ाई की 2-लेन सड़क के रूप में निर्मित है। चिल्फी से रायपुर मार्ग पर वर्तमान में व्यावसायिक एवं भारी वाहनों का अत्यधिक आवागमन होता है। जबलपुर-मंडला-चिल्फी सेक्शन के 4-लेन बनने के बाद यातायात का दबाव आगे के 2-लेन सेक्शन पर और अधिक बढ़ने की संभावना है। ऐसी स्थिति में लोक सुरक्षा एवं यातायात सुगमता के दृष्टिकोण से धवईपानी (चिल्फी) से सिमगा (रायपुर) तक के पूरे सेक्शन को 4-लेन में उन्नत करना अत्यंत आवश्यक हो गया है। जबलपुर से रायपुर के मध्य एनएच-30 पर जिला कबीरधाम मुख्यालय कवर्धा स्थित है। यह अंतर्राज्यीय मार्ग व्यावसायिक, सामाजिक एवं राजनीतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है, जहां प्रतिदिन भारी मालवाहक वाहनों का आवागमन होता है।

उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कवर्धा शहर में भारी यातायात के दबाव को कम करने तथा जनसुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कवर्धा बायपास (4 लेन मय पेव्ड शोल्डर) के निर्माण की भी मांग रखी। उन्होंने कहा कि बायपास निर्माण से शहर के भीतर दुर्घटनाओं की संभावना कम होगी तथा यातायात सुचारू रूप से संचालित हो सकेगा। नागपुर से लौटते ही रायपुर एयरपोर्ट पर पत्रकारों से चर्चा करते हुए उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने बताया कि सिमगा से रायपुर तथा धवईपानी से जबलपुर तक 4-लेन निर्माण के आदेश पूर्व में जारी हो चुके हैं, किंतु धवईपानी से सिमगा तक का सेक्शन शेष रह गया था। इस महत्वपूर्ण खंड को भी 4-लेन में विकसित करने हेतु उन्होंने केंद्रीय मंत्री श्री गडकरी से आग्रह किया, जिसे उन्होंने तत्काल स्वीकार करते हुए शीघ्र निर्माण का आश्वासन दिया।

बिलासपुर के गजमोहिनी अपार्टमेंट में भीषण आग, इलेक्ट्रॉनिक गोदाम खाक

बिलासपुर

शहर के मंगला क्षेत्र स्थित गजमोहिनी अपार्टमेंट के निचले हिस्से में रविवार तड़के भीषण आग लग गई। आग लगते ही पूरे परिसर में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। यह घटना सिविल लाइन थाना क्षेत्र की है। अपार्टमेंट में कुल 48 फ्लैट हैं, हालांकि कितने परिवार वहां

निवासरत हैं, इसकी आधिकारिक जानकारी नहीं मिल सकी है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि रिहायशी अपार्टमेंट का व्यावसायिक उपयोग किया जा रहा था। ग्राउंड फ्लोर पर इलेक्ट्रॉनिक सामान का बड़ा गोदाम संचालित हो रहा था। नगर निगम कमिश्नर प्रकाश कुमार सर्वे ने बताया कि रिहायशी अपार्टमेंट में गोदाम चलाना नियम विरुद्ध है। संचालकों से दस्तावेज मांगे जाएंगे और नियमों के उल्लंघन की स्थिति में सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने शहर के सभी अपार्टमेंट का सर्वे कराने की बात भी कही, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

सुबह सबसे पहले नीचे काम कर रहे कर्मचारियों ने धुआं उठते देखा। प्रत्यक्षदर्शी दिनेश कुमार मिश्रा के अनुसार, शुरुआत में हल्का धुआं था, लेकिन कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप ले लिया। सूचना दी गई, तब तक लपटें तेजी से फैल चुकी थीं।

पीपुल्स यूनिवर्सिटी को फिर मिली बम से उड़ाने की धमकी, सायनाइड बम का जिक्र कर मचाई दहशत

भोपाल। पीपुल्स यूनिवर्सिटी एक बार फिर शरारती तत्वों के निशाने पर है। सोमवार को यूनिवर्सिटी प्रबंधन को एक धमकी भरा ई-मेल प्राप्त हुआ, जिसमें परिसर को बम से उड़ाने की चेतावनी दी गई थी। इस धमकी के बाद पूरे परिसर में हड़कंप मच गया और आनन-फानन में पुलिस बल को मोर्चा संभालना पड़ा। मेल भेजने वाले ने बेहद डरावनी भाषा का इस्तेमाल करते हुए लिखा कि आपके कॉलेज में सायनाइड पाइजन वाले बम रखे गए हैं, जो दोपहर 12ः15 बजे ब्लास्ट करेंगे। सुबह 11 बजे तक डाक्टरों और स्टूडेंट्स को निकाल लें। अल्लाह हू अकबर।

सुरक्षा एजेंसियों का सघन तलाशी अभियान

धमकी की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी मनोज पटवा पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। एहतियात के तौर पर बम डिस्पोजल स्क्वाड और डाग स्क्वाड को भी तैनात किया गया। सुरक्षा के मद्देनजर यूनिवर्सिटी परिसर को खाली कराया गया। टीम ने क्लासरूम, हॉस्टल, पार्किंग और संदिग्ध स्थानों की बारीकी से जांच की। परिसर में बाहरी लोगों की आवाजाही को पूरी तरह कम कर दिया गया है। हैरानी की बात यह है कि पीपुल्स मेडिकल कालेज को पिछले 15 दिनों में यह दूसरी बार निशाना बनाया गया है। इससे पहले 19 फरवरी को भी इसी तरह का ई-मेल मिला था। पिछली बार की जांच में पुलिस को कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला था, जिसे देखते हुए इसे किसी की शरारत माना जा रहा था, लेकिन दोबारा मिली धमकी ने सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट मोड पर डाल दिया है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, इस मामले को बेहद गंभीरता से लिया जा रहा है। ई-मेल आइडी और आइपी एड्रेस के आधार पर जांच शुरू कर दी गई है। साइबर सेल की टीम भेजने वाले का सुराग लगाने में जुटी है।

किसान बार-बार सड़कों पर, हर महीने 25 आंदोलन, दो साल में 600 से ज्यादा प्रदर्शन

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार इस साल यानी 2026 को कृषक कल्याण वर्ष के तौर पर मना रही है। सरकार का फोकस खेती की लागत घटाकर किसानों की आमदनी बढ़ाने पर है। दूसरी तरफ, प्रदेश में हर महीने औसतन 25 किसान आंदोलन हो रहे हैं।

विधानसभा के बजट सत्र में कांग्रेस विधायक आतिफ अकील ने पूछा कि 1 जनवरी 2024 से लेकर फरवरी 2026 तक भोपाल सहित मध्य प्रदेश में कितने आंदोलन हुए? इन आंदोलनों में पुलिस से झड़प में कितने किसानों की मौतें हुईं? कितने किसान घायल हुए? इन आंदोलनों के दौरान कितने किसानों के खिलाफ केस दर्ज किए गए? इनमें से कितने मामलों में खात्मा लगाया गया? इसके जवाब में गृह विभाग की ओर से बताया गया कि जनवरी 2024 से फरवरी 2026 तक प्रदेशभर में करीब 609 किसान आंदोलन हुए हैं। मोहन सरकार के कार्यकाल में सागर जिले में सबसे ज्यादा किसानों के 76 आंदोलन और प्रदर्शन हुए हैं। दूसरे नंबर पर खरगोन जिले में 61 आंदोलन हुए। ग्वालियर जिले में 44, नरसिंहपुर, खंडवा और रीवा में 38-38 आंदोलन हुए। जबलपुर से सटे कटनी जिले में दो साल में 35 किसान आंदोलन हुए हैं। प्रदेश में दो साल में सबसे ज्यादा किसान आंदोलन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अनुषांगिक संगठन भारतीय किसान संघ ने किए। इसके बाद भारतीय किसान यूनियन, संयुक्त किसान मोर्चा सहित तमाम किसान संगठनों ने आंदोलन धरना, प्रदर्शन किए। इन्हीं दो साल में मध्य प्रदेश कांग्रेस और किसान कांग्रेस ने करीब 37 आंदोलन किए हैं।

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय को दिल्ली तलब करने पर एमपी की सियासत गरमाई, अमित शाह से शनिवार को हुई थी मुलाकात

भोपाल। राज्य सरकार के लिए अपनी ही पार्टी के नेताओं द्वारा चुनौती खड़ा करने वाला मध्य प्रदेश विधानसभा का बजट सत्र शुक्रवार को समाप्त हुआ। इस स्थिति की एक बड़ी वजह रहे नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय को शनिवार को दिल्ली बुलाया गया।

कैलाश विजयवर्गीय ने विधानसभा सत्र में सरकार को कठघरे में खड़ा करने वाले कई बयान दिए। चाहे मास्टर प्लान डेढ़ साल से मुख्यमंत्री के पास लंबित रहने का हो या फिर %औकात% जैसे शब्दों के उपयोग का, इससे सरकार को बैकफुट पर आना पड़ा। माना जा रहा है कि सरकार विरोधी इन बयानों को लेकर कैलाश विजयवर्गीय दिल्ली तलब किए गए और इस बारे में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उनसे बात की।कैलाश विजयवर्गीय से मिलने से पहले शनिवार को ही डॉ. मोहन यादव और हेमंत खंडेलवाल ने भी अमित शाह से मुलाकात की। वरिष्ठता के नाते मंत्री प्रहलाद पटेल से भी अमित शाह ने इस बारे में बातचीत की। कुल मिलाकर कैलाश विजयवर्गीय को दिल्ली तलब करने पर फिलहाल मध्य प्रदेश की सियासत गरमाई हुई है। विजयवर्गीय के औकात वाले शब्द पर मुख्यमंत्री को खेद व्यक्त करना पड़ा विधानसभा की कार्यवाही के दौरान कैलाश विजयवर्गीय ने नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार को औकात में रहने की बात कह दी थी। सदन में यह असहज स्थिति तब बन गई थी, जब अदाणी को लेकर उमंग सिंघार ने सरकार पर तमाम आरोप लगाए को खेद जताना पड़ा।

कैलाश विजयवर्गीय के इन बयानों से और बिगड़ा मामला

कार्यवाही के दौरान कैलाश विजयवर्गीय ने मेट्रो प्रोजेक्ट पर भी सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा कि अधिकारियों ने बैठकर मेट्रो की योजना बना ली, जन प्रतिनिधियों से चर्चा ही नहीं की। भोपाल के मास्टर प्लान को लेकर कैलाश विजयवर्गीय ने कहा था कि यह डेढ़ साल पहले ही तैयार कर लिया था, मुख्यमंत्री के पास फाइल है। इंदौर के भागीरथपुरा दूषित जल कांड को लेकर पहले मीडिया से अमर्यादित बात और फिर विधानसभा में कैलाश विजवर्गीय ने कह दिया कि यह घटना हमारी लापरवाही से हुई।

520 करोड़ रिजर्व प्राइस; 7 ग्रुप में बांटे गए हैं शराब के ठेके

भोपाल की 29 शराब दुकानों की नीलामी

भोपाल। भोपाल की 29 शराब दुकानों की नीलामी 2 मार्च को होगी। इसकी रिजर्व प्राइस करीब 520 करोड़ रुपए रखी गई है। वहीं, सभी 87 शराब ठेकों की रिजर्व प्राइस 1432 करोड़ रुपए है। प्रदेश में राज्य सरकार ने नई आबकारी नीति लागू कर दी है। नई व्यवस्था में शराब दुकानों को छोटे-छोटे समूहों में बांटा है। भोपाल की 87 दुकानों को 20 ग्रुप में बांटा है। जिनके आवंटन की प्रक्रिया ई-टेंडर के जरिए होगी। इनमें से 7 ग्रुप की 29 दुकानों के लिए पहले फेज में टेंडर की प्रोसेस शुरू की गई है। 2 मार्च को सुबह 10.30 से दोपहर 2 बजे तक टेंडर सबमिट होंगे। इसी दिन शाम 6 बजे से डिस्ट्रिक कमेटी की मौजूदगी में टेंडर खोलने की कार्रवाई होगी।

ग्रुप वाइज में इतनी दुकानें

इन ग्रुपों के लिए प्रक्रिया बागसेवनिया ग्रुप की 5 दुकान, हबीबगंज फाटक ग्रुप की 4 दुकान, भानपुर चौराहा ग्रुप की 5 दुकान, स्टेशन बजरिया ग्रुप की 5 दुकान, खजूरीकलां ग्रुप की 3 दुकान, जहांगीराबाद ग्रुप की 4 दुकान और गुनगा ग्रुप की 3 दुकानों के लिए यह टेंडर प्रक्रिया की जा रही है।

20% बढ़ी ठेके की कीमत

वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए नीलामी की प्रक्रिया में ठेके 1193 करोड़ रुपए से ज्यादा में हुए थे, जो टारगेट से 11 प्रतिशत यानी, 120 करोड़ रुपए अधिक थे। इस बार 1432 करोड़ रुपए रिजर्व प्राइस रखी गई है। बता दें कि वर्तमान मूल्य में 20 प्रतिशत बढ़ोतरी कर आरक्षित मूल्य तय किया है। इसका असर अब समूहों की कीमतों पर दिखने लगा है। भोपाल में इस बार सबसे महंगा समूह पिपलानी का है। इसमें 4 दुकानें - पिपलानी, अयोध्या नगर, रत्नागिरी तिराहा और पटेल नगर हैं। 20 फीसदी आरक्षित मूल्य बढ़ने के बाद इस समूह की कीमत 127 करोड़ 77 लाख 60 हजार 551 रुपए हो गई है। इससे पहले वर्ष 2025-26 में इन दुकानों का वार्षिक मूल्य 106 करोड़ 48 लाख से ज्यादा था। इसी तरह बाग सेवनिया समूह की कीमत करीब 101 करोड़ से बढ़कर 121 करोड़ 89 लाख से ज्यादा हो गई है। आबकारी विभाग के अधिकारियों का कहना है कि नीति में किए गए बदलावों के आधार पर ही ई-टेंडर के जरिए दुकानों का आवंटन होगा। छोटे समूह बनाए जाने से ज्यादा बोलीदाता सामने आएंगे व सरकार को फायदा मिलेगा। इससे नए लोगों को भी भागीदारी का मौका मिलेगा।

239 करोड़ रुपए ज्यादा मिलेंगे

विभाग की माने तो नई व्यवस्था से सरकार के खजाने में सीधे 238 करोड़ रुपए ज्यादा मिलेंगे। टेंडर फाइनल होने के बाद यह आंकड़ा और बढ़ सकता है।

भोपाल सहित मप्र के 100 से अधिक लोग दुबई में फंसे, ड्रोन हमलों के कारण लगातार बज रहे अलार्म

इंदौर। ईरान पर अमेरिका और इजरायल के हमले के बाद दुबई में हालात चिंताजनक हैं। इसके चलते दुबई एयरपोर्ट बंद कर दिया गया है। अन्य विमानों के साथ ही शारजाह-इंदौर फ्लाइट भी रद हो गई है। इससे मध्य प्रदेश के 100 से अधिक लोग दुबई में फंस गए हैं। इनमें कई कारोबारी और नौकरीपेशा लोग हैं। इंदौर-1 के पूर्व विधायक संजय शुक्ला भी फंसे हैं। उन्होंने दुबई से इंटरनेट मीडिया पर वीडियो जारी करके भारत सरकार से मदद की अपील की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से अनुरोध किया है कि दुबई में फंसे भारतीयों को सुरक्षित निकाला जाए।शुक्ला के अनुसार, हालात तनावपूर्ण हैं और लगातार अलार्म बज रहे हैं। दुबई में फंसे व्यापारी प्रवीण कक्कड ने बताया कि इंदौर के सभी लोग हालांकि सकुशल हैं। जिस होटल में ठहरे थे, वहां से कुछ ही दूरी पर ड्रोन हमला होने के बाद सभी लोग निजी घर में शिफ्ट हो गए हैं। खरगोन और बुरहानपुर जिले के भी कई लोगों के दुबई में फंसे होने की जानकारी मिली है, जो वहां नौकरी के सिलसिले में गए हुए थे। उनके परिजन चिंतित हैं।

भोपाल में 1500 से अधिक स्थानों पर होगा होलिका दहन, गोकाष्ठ को प्राथमिकता

भोपाल। इस वर्ष भी होली पर्व को लेकर राजधानी में व्यापक तैयारियां शुरू हो गई हैं। शहर में 1500 से अधिक स्थानों पर होलिका दहन प्रस्तावित है। नगर निगम और प्रशासन की निगरानी में विभिन्न वार्डों में व्यवस्थाएं अंतिम चरण में हैं। कई इलाकों में परंपरानुसार निर्धारित मुहूर्त के अनुसार होलिका दहन किया जाएगा, जबकि प्रमुख स्थानों पर देर रात शुभ समय में अग्नि प्रज्वलित की जाएगी। इस वर्ष भी पर्यावरण संरक्षण और गोवंश संवर्धन को ध्यान में रखते हुए गोकाष्ठ से होलिका दहन को बढ़ावा दिया जा रहा है। दैनिक भास्कर समूह और गोकाष्ठ संवर्धन एवं पर्यावरण संरक्षण समिति द्वारा शहर में 47 विक्रय केंद्र संचालित किए जा रहे हैं। वहीं महाकाल मंदिर में सबसे पहले होली मनाई जाएगी। सोमवार शाम को होलिका दहन के बाद महाकाल को गुलाल लगाया जाएगा।

बता दें, ज्योतिष मठ संस्थान ने हाल ही में आयोजित वेब संगोष्ठी में देश भर के पंचांगकर्ताओं और ज्योतिषियों ने सर्वसम्मति से 2 मार्च की रात में होलिका दहन और 4 मार्च को रंगोत्सव मनाने का निर्णय लिया है। संस्थान के संचालक पंडित विनोद गौतम ने बताया कि सभी पंचांगकर्ताओं और विद्वानों ने यह तय किया है कि 2 मार्च की रात 2 बजे के बाद भद्रा पुच्छकाल समाप्त होने पर होलिका दहन किया जाएगा। 3 मार्च की रात तक पूर्णिमा समाप्त होकर प्रतिपदा तिथि लग जाएगी। साथ ही उस दिन ग्रहण का सूतक प्रभावी रहेगा। शास्त्रों में ग्रहणकाल की रात को दूषित माना गया है, जिससे होलिका दहन अशुभ फल देने वाला माना जाता है।

प्रमुख क्षेत्रों में चल समारोह की तैयारी

इस के अवसर पर शहर के पुराने और नए इलाकों में 4 मार्च के जुलूस निकलेंगे। दयानंद चौक, जुमेराती, करोद, कोलार, संत नगर और भेल क्षेत्र सहित विभिन्न स्थानों पर रंग-गुलाल के कार्यक्रम आयोजित होंगे। हिंदू उत्सव समिति द्वारा दयानंद चौक से पारंपरिक होली चल समारोह निकाला जाएगा, जिसमें राधा-कृष्ण और भोलेनाथ की आकर्षक झांकियां शामिल होंगी। कई वार्डों में जनप्रतिनिधियों और स्थानीय समितियों द्वारा सर्वधर्म सहभागिता के साथ होलिका दहन की तैयारी की जा रही है। बीते वर्षों की तरह इस बार भी विभिन्न समुदायों की सहभागिता से सामाजिक सद्भाव का संदेश देने की पहल की जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

एमपी में होली पर गर्मी, पंचमी पर बारिश, नए सिस्टम से बारिश की संभावना

भोपाल। मार्च के पहले ही दिन रविवार को मध्य प्रदेश तप गया। निमाड़ यानी, इंदौर संभाग के खरगोन में पारा 35.2 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। वहीं, भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, उज्जैन-जबलपुर भी गर्म रहे। मौसम विभाग ने अगले 4 दिन के अंदर दिन के पारे में 2 से 4 डिग्री की बढ़ोतरी के आसार जताए हैं। मौसम विभाग के अनुसार, 4 मार्च को नया सिस्टम एक्टिव हो रहा है। इस वजह से रंगपंचमी या इससे पहले प्रदेश के कई जिलों में बारिश होने के आसार हैं। रविवार को पचमढ़ी को छोड़ प्रदेश के सभी शहरों में अधिकतम तापमान 30 डिग्री या इससे ज्यादा ही रहा। मौसम विभाग के अनुसार, मार्च से मई के बीच पूरे प्रदेश में सामान्य से अधिक तापमान रहने की संभावना है। दिन के साथ रात के तापमान में भी बढ़ोतरी होगी। मार्च से ही असर बढ़ेगा। हालांकि, हीट वेव का असर अप्रैल-मई में ही ज्यादा रहेगा। मार्च के पहले दिन रविवार को प्रदेश में मौसम साफ रहा। तेज धूप निकलने की वजह से तापमान में बढ़ोतरी हुई। धार, गुना, ग्वालियर, खंडवा, खरगोन, श्योपुर, खजुराहो, मंडला, नरसिंहपुर, सतना, सिवनी में तापमान 33 डिग्री से ज्यादा दर्ज किया गया।

भोपाल में होली और धुरेड़ी को लेकर ट्रैफिक प्लान जारी

भोपाल। शहर में आगामी होली एवं धुरेड़ी पर्व को हर्षोल्लास और सुरक्षित वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से नगरीय यातायात पुलिस ने व्यापक सुरक्षा और यातायात डायवर्सन प्लान जारी किया है। दो और तीन मार्च की मध्यरात्रि को होने वाले होलिका दहन और चार मार्च को आयोजित होने वाले पारंपरिक धुरेड़ी जुलूस को देखते हुए शहर की यातायात व्यवस्था में बदलाव किया गया हैं। पुलिस के अनुसार, शहर के मोहल्लों और कालोनियों में होलिका दहन के दौरान जनसुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आंतरिक क्षेत्रों में भारी वाहनों का प्रवेश पूर्णत: प्रतिबंधित रहेगा। चार मार्च को आयोजित होने वाला धुरेड़ी का चल समारोह सुबह आठ बजे दयानंद चौक से प्रारंभ होकर जुमेराती गेट, घोड़ा नक्कास, कुंदन नमकीन मार्ग, मंगलवारा, इतवारा, लखेरापुरा और भवानी चौक जैसे पुराने शहर के प्रमुख मार्गों से होता हुआ जनकपुरी में समाप्त होगा।

सुबह से ही लागू रहेगा यातायात प्रतिबंध

इस धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन की भव्यता को देखते हुए पुराने शहर के मुख्य मार्गों पर सुबह से ही यातायात प्रतिबंध लागू रहेगा। विशेष रूप से मोती मस्जिद से बुधवारा, भारत टॉकीज से इतवारा और नादरा बस स्टैंड से घोड़ा नक्कास की ओर जाने वाले सभी प्रकार के लोक परिवहन और भारी वाहनों का प्रवेश वर्जित किया गया है। असुविधा से बचने के लिए यातायात पुलिस ने वैकल्पिक मार्गों की व्यवस्था की है। जो नागरिक इन क्षेत्रों से गुजरना चाहते हैं, वे वीआईपी रोड, लिली टॉकीज चौराहा या कमला पार्क होकर अपने गंतव्य तक पहुंच सकते हैं।

भोपाल में नगर निगम का वसूली प्रहार

भोपाल। संपत्ति कर, जल कर सहित अन्य करों एवं शुल्कों की वसूली के लिए निगम प्रशासन द्वारा विशेष अभियान चलाकर कार्रवाई की जा रही है। रविवार को नगर निगम के अमले ने जोन क्रमांक सात के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 34 में आठ बकायादारों पर कार्रवाई की। इनमें एक अस्पताल के भवन सहित आठ संपत्तियों पर 27 लाख रुपये से भी अधिक राशि का संपत्ति कर बकाया था, जिन्हें निगम ने कुर्क कर लिया। निगम के अमले ने जोन क्रमांक सात के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 34 में सीताराम पांडे ने वरदान अस्पताल के भवन पर 15 लाख 60 हजार 731 रुपये संपत्ति कर जमा नहीं कराया गया था। ऐसे में अस्पताल के भवन को निगम प्रशासन ने कुर्क कर लिया।वहीं, जहांगीराबाद में रमेशचन्द्र ने एक लाख 18 हजार 376 रुपये, अब्दुल हई ने एक लाख 76 हजार 950 रुपये, बशीर उद्दीन ने दो लाख 16 हजार 262 रुपये, नबी अहमद ने 80 हजार 591 रुपये की संपत्ति कर की राशि का भुगतान नहीं किया था। इसके अलावा एहजाज बेगम पर एक लाख 87 हजार 369 रुपये, टीएन नथानियन पर एक लाख 15 हजार 121 रुपये तथा एहजाज सुल्तान पर दो लाख 63 हजार 150 रुपये का संपत्ति कर बकाया था। कर जमा नहीं कराने पर सभी बकाया खातेदारों की संपत्ति पर नगर निगम ने ताला बंदी की कार्रवाई की।

जो देश 6जी की दौड़ में आगे, दुनिया पर उसी का दबदबा

मार्च में बार्सीलोना में होने जा रही मोबाइल वर्ल्ड कांग्रेस में नए प्रोडक्ट-लॉन्चों और बड़ी-बड़ी बातों के बीच हर किसी के मन में एक ही सवाल होगा कि 6जी की दौड़ में दुनिया का नेतृत्व कौन करने जा रहा है?

मोबाइल टेक्नोलॉजी की अगली पीढ़ी यह तय करेगी कि उस महत्वपूर्ण इंफ्रास्ट्रक्चर पर किसका नियंत्रण होगा, जिस पर आधुनिक अर्थव्यवस्थाओं, सुरक्षा तंत्रों और लोकतांत्रिक सरकारों की निर्भरता बढ़ती जा रही है। 6जी के तकनीकी स्टैंडर्ड अभी से तय किए जाने लगे हैं।

2028 तक इसकी रूपरेखा बन सकती है और 2030 के आसपास इसे लागू कर दिया जाएगा। जो भी इस क्षेत्र में लीड करेगा, वही आने वाले दशकों तक आर्थिक और सामरिक वर्चस्व की स्थिति में रहेगा।

वास्तव में 6जी की दौड़ 5जी की तुलना में ज्यादा पहले शुरू हो रही है- और कहीं अधिक गहराई तक जा रही है। 5जी को लेकर होने वाली राजनीति इस प्रश्न पर केंद्रित थी कि क्या हुआवेइ जैसे चीनी विक्रेताओं पर राष्ट्रीय नेटवर्क बनाने के लिए भरोसा किया जा सकता है। पश्चिमी सुरक्षा अधिकारियों के दबाव ने हुआवेइ को स्वयं में बदलाव लाने के लिए बाध्य किया। प्रमुख पश्चिमी बाजारों से कट जाने के बाद उसने अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं का पुनर्गठन किया, घरेलू इनोवेशन को बढ़ाया और राज्यसत्ता के समर्थन से चीनी सरकार के सामरिक उद्देश्यों के अधिक अनुरूप होकर उभरी।

लेकिन 6जी को लेकर संघर्ष सप्लायर्स का नहीं, तकनीकी ब्लूप्रिंट का है। 6जी सेल्युलर टेक्नोलॉजी से अपेक्षा है कि वे एआई और एडवांस्ड कम्प्यूटिंग को सीधे नेटवर्क संरचना में जोड़ेंगी, जिससे बड़े पैमाने पर ऑटोमेशन संभव होगा। लेकिन जब अरबों डिवाइसेस आपस में जुड़ी होंगी और नेटवर्क खुद ही सेंसर और एआई लेयर के रूप में काम करेगा, तो डिजाइन में मौजूद किसी भी तरह की कमजोरी के व्यापक परिणाम भी हो सकते हैं। डिजिटल सम्प्रभुता बुनियादी ढांचे पर निर्भर है। अगले दशक में निर्मित होने वाले नेटवर्क उसी डेटा को कैरी करेंगे, जिनसे अस्पताल, बिजली ग्रिड, सैन्य प्रणालियां और चुनाव प्रणालियां संचालित होती हैं।

वर्तमान में इस दौड़ में तीन ताकतें अग्रणी हैं। एक है चीन, जिसके पास भरपूर सामर्थ्य है। दुनिया के 6जी-संबंधी पेटेंट आवेदनों का 40त्न से अधिक हिस्सा उसके पास है और उसकी सरकार ने रिसर्च को बढ़ाने के लिए पूरी क्षमता झोंक रखी है। 5जी को लेकर हुए टकराव से कमजोर होने के बजाय और मजबूत होकर उभरी हुआवेइ इसके केंद्र में है।

राज्यसत्ता की पूरी शह के चलते वह इस स्थिति में है कि समानांतर प्रणालियां भी संचालित कर सकती है। चीन ने अंतरराष्ट्रीय मानकीकरण के संस्थानों में भी भारी निवेश किया है और बुनियादी ढांचा सम्बंधी कूटनीति के जरिए वह ग्लोबल साउथ के देशों को साधने का प्रयास कर रहा है।

अमेरिका 6जी को एक अलग पोजिशन से देखता है।

उसकी टेक कम्पनियां कनेक्टिविटी से उत्पन्न वैल्यू का बड़ा हिस्सा अर्जित करती हैं, भले ही वे रेडियो नेटवर्क का निर्माण न करती हों। फिर भी, अमेरिका मुख्य हार्डवेयर के लिए गैर-अमेरिकी विक्रेताओं- विशेष रूप से एरिकसन और नोकिया पर निर्भर बना हुआ है। ओपन रेडियो एक्सेस नेटवर्क के जरिए बाजार को नया आकार देने के प्रयासों का अब तक कोई खास असर नहीं पड़ा है, हालांकि 6जी के निकट आने के साथ ऐसी कोशिशों के पुन: उभरने की संभावना है।

इस बीच, अमेरिका कनेक्टिविटी पर अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए वैकल्पिक व्यवस्थाओं- जिनमें सैटेलाइट और सॉफ्टवेयर-आधारित प्रणालियां शामिल हैं- को भी प्रोत्साहित कर सकता है। क्लाउड और एआई सेवाओं में पहले ही अमेरिकी प्रभुत्व स्थापित है। इसे नेटवर्क लेयर तक बढ़ाना उस पर दुनिया की मौजूदा निर्भरताओं को और गहराएगा ही। इससे उन देशों के सामने नई सामरिक चुनौतियां पैदा होंगी, जो पहले ही अमेरिकी प्लेटफॉर्म और सेवाओं पर निर्भर हैं।

संपादकीय

अनुशासन फैशन से बाहर हो सकता है, चलन से

'मैं सिर्फ सैटरडे, संडे और वीकडेज में नहीं पीता, बाकी दिन मैं कुछ भी पी लेता हूं।' जब से मैंने शराब वाली पार्टियों में जाना शुरू किया तो दशकों से मेरा यही डायलॉग है। मेरी पत्नी को मेरा यह डायलॉग तब याद आया, जब हम शनिवार रात को फिल्म 'इक्बीस' देख रहे थे। उसमें नायक अगस्त्य नंदा (अमिताभ बच्चन के ग्रैंड सन) अपने उन दोस्तों से बात कर रहे थे, जो खेल में जीत के बाद शराब पार्टी में शामिल नहीं होने से नाराज थे।

उन्होंने कहा कि 'अगर मैं तुम्हारी जगह होता तो जीत के बाद मैं भी मजे करता और वही करता जो तुम सबने किया। लेकिन अफसोस, मैं तुम्हारी जगह नहीं हूं। सॉरी।' मेरी पत्नी तुरंत बोलीं कि '20 साल के किसी लड़के में ऐसी प्रतिबद्धता दुर्लभ है।'

मैंने कहा कि जेन-जी ही शराब को 'ना' नहीं कह रही है, बल्कि स्कूल भी फिर से बच्चों में वैल्यू सिस्टम डालने के लिए सक्रिय हो रहे हैं। उनमें से एक है प्रभावी 'हाउस सिस्टम।' सोच रहे हैं कि यह सिस्टम क्या है और इसे कौन चला रहा है? तो यहां समझिए।

'हाउस सिस्टम' कुछ और नहीं, बल्कि एक बड़े स्कूल को छोटे, किन्तु फैमिलियर समूहों में बांटना है। नदियों, रंगों या किरदारों पर इनके नाम रखे जा सकते हैं- जैसे 'ब्लू हाउस' या 'रेड हाउस।' बच्चा महज 5वीं कक्षा का छात्र होने के बजाय पूरी स्कूल अवधि के लिए 'रेड हाउस' या 'गंगा हाउस' का मेम्बर बन जाता है। यह काम कैसे करता है? हर हाउस में कक्षा 1 से 12वीं तक के छात्र होते हैं। हाउस मास्टर या मिस्ट्रेस के तौर पर एक टीचर हर हाउस का हेड होता है। छात्र नेताओं को हाउस कैप्टन्स कहते हैं।

ज्यादा छात्रों को मौका देने के लिए कुछ और पद भी होते हैं। ऐसे में, टीचिंग सिर्फ अकादमिक कंटेंट तक सीमित नहीं रहती। शिक्षक मेंटर बन जाते हैं और अक्सर पैरेंट्स जैसा सपोर्ट और देखभाल देने के लिए गाइड की तरह काम करते हैं। उनका उद्देश्य बच्चे की शारीरिक फिटनेस के साथ सामाजिक, भावनात्मक और नैतिक- यानी समग्र विकास होता है। वे इन्स्ट्रक्टर बनकर स्कूली गतिविधियों के जरिए छुपी प्रतिभाओं को पहचानते हैं और नेतृत्व क्षमता विकसित करते हैं। एक मजबूत हाउस सिस्टम के लिए जो स्कूल यह प्रक्रिया अपना रहे हैं, वे इसमें हाई-एनर्जी फिजिकल कॉम्पिटिशन, रचनात्मक सहयोग और एकेडमिक टीमवर्क का संयोजन करते हैं। मकसद होता है कि एथलीट से आर्टिस्ट तक हर बच्चा महसूस करे कि उसने अपने हाउस की सफलता में योगदान दिया है। ये शब्दावली स्कूली वातावरण के संरचनात्मक और व्यावहारिक स्तंभों को दर्शाती है, जो अक्सर साथ मिलकर छात्रों में सामुदायिक और पर्सनल ग्रोथ की भावना को ब?ाती है। हर हाउस खेल, वाद-विवाद, कला और पढ़ाई में अंकों के लिए प्रतिस्पर्धा करता है।

अंत में विजेता हाउस को ट्रॉफी दी जाती है। इससे परिवार जैसा माहौल बनता है, क्योंकि 12वीं का छात्र पहली कक्षा के छात्र का ध्यान रखता है, ताकि वह प्रतियोगिता जीत सके। कभी वाद-विवाद प्रतिस्पर्धा में 12वीं का छात्र छठी के छात्र के ज्ञान और भागीदारी पर निर्भर होता है। हाउस को शिष्ट व्यवहार और चरित्र के लिए भी अंक मिलते हैं, जैसे पीछे आने वाले के लिए दरवाजा खुला रखना या दिन में पहली बार मिलने पर अभिवादन करना। ब्रिटिश स्कूलों में आमतौर पर यह सिस्टम प्रचलित है और अब उन भारतीय पैरेंट्स में भी पॉपुलर हो रहा है, जो चाहते हैं कि उनके बच्चे अनुशासित और चरित्रवान बनें। फंडा यह है कि सिद्धांतों पर अडिग रहना हमेशा अंकों, मोनोटोनी और हालात के साथ सामने आने वाली कई चीजों पर बढ़त दिलाता है। यकीन मानिए, अगर आप सिद्धांतवादी हैं तो कभी चलन से बाहर नहीं होंगे। अच्छे संस्कार किसी मॉल से नहीं, परिवार के माहौल से मिलते है। कथन है कि अच्छे संस्कार की सीख एक जीवन भर चलने वाली पूँजी है, जो व्यक्ति को आजीवन काम आती है।

हम गरिमा ग्रुप इन्हीं विचारों को केन्द्र में रखकर निरंतर शिक्षा के साथ सुरक्षा और संस्कार देने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारा प्रयास है कि विद्यालय का प्रत्येक विद्यार्थी सर्वगुण संपन्न हो यह प्रयास तभी सफल हो सकता है जब हमारे साथ आप भी इसमें सहयोग देवे। आज के लगातार बदलते परिवोश और वातावरण को देखते हुए हमें अपने बच्चों पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है।

छोटे बच्चे एक कोमल पौधे की तरह है जिन्हें हम जैसे चाहे उनका पोषण कर बडा कर सकते है। ठीक वैसे ही जैसे सूर्य का प्रकाश एक छोटे पौधे को पोषण देकर उनका लालन पालन कर एक वटवृक्ष बना देता है। ऐसी शिक्षा हमें उनकी छोटी आयु से ही प्रारंभ करनी होगी। क्योंकि वे हमारी पूँजी है और संस्कारों से बढकर कोई पूँजी नहीं होती और ईमानदारी से बडी कोई विरासत नहीं होती। बच्चों का यह प्राकृतिक स्वभाव होता है कि जो उनके बडे करते है वे वैसा ही अनुसरण करते हुए यह सोचते है कि यह घर की परंपरा होगी। यानि श्रेष्ठ पुरूष जैसा आचरण करेंगे वैसा ही बच्चे परंपरा मानते हुए करते चले जाएंगे। आज हमें षिक्षा के साथ उनमें संस्कार, शिष्टाचार, विनम्रता, क्षालीनता जैसे गुणों का अंकुर उत्पन्न करना अति आवष्यक है।

कृषि को समृद्धि का इंजन बनाना

हाल ही में, मैं एक दोस्त के फार्म पर गया, जहाँ उसने सालों तक ऑर्गेनिक और नेचुरल खेती का काम किया है। सस्टेनेबल तरीकों, ध्यान से ब्रीडिंग और केमिकल-फ्री इनपुट के ज़रिए, वह हाई-क्वालिटी वाले फार्म प्रोडक्ट बनाता है जो ग्लोबल स्टैंडर्ड पर खरे उतरते हैं। उसका प्रोडक्ट शुद्ध, ट्रेसेबल और ज़िम्मेदारी से उगाया जाता है। फिर भी, इस कमिटमेंट के बावजूद, उसे स्केल करने में मुश्किल होती है। इसका कारण भरोसेमंद मार्केट तक सीमित पहुँच है। उसके पास ऑर्गनाइज़्ड रिटेल, एक्सपोर्ट चैनल और प्रोफेशनल ब्रांडिंग प्लेटफॉर्म से मज़बूत लिंक नहीं हैं। ऑर्गेनिक खेती में पारंपरिक प्रोडक्शन की तुलना में ज़्यादा लागत आती है, लेकिन वह लगातार प्रीमियम कीमतें नहीं पा सकता। उसका अनुभव भारतीय खेती में एक बड़ी चुनौती को दिखाता है। जबकि फार्म लेवल पर डेडिकेशन और क्वालिटी है, किसानों को वैल्यू और कंज्यूमर से जोड़ने के मौजूदा सिस्टम कमज़ोर हैं।

भारत जिस भी बड़े ट्रेड एग्रीमेंट पर बातचीत करता है, उसका एक महत्वपूर्ण एग्रीकल्चरल पहलू होता है, जो दिखाता है कि खेती इकोनॉमिक स्ट्रेटेजी, फूड सिक्योरिटी और पॉलिटिकल स्टेबिलिटी से कितनी गहराई से जुड़ी हुई है। इंडस्ट्री के अनुमान बताते हैं कि ग्लोबल एग्री-फूड मार्केट - जिसमें खेती, फूड प्रोसेसिंग, लॉजिस्टिक्स, रिटेल और एक्सपोर्ट शामिल हैं - 8 ट्रिलियन से ज़्यादा का है। दुनिया में खेती-बाड़ी की चीज़ों के सबसे बड़े प्रोड्यूसर में से एक होने के बावजूद, भारत ग्लोबल खेती-बाड़ी के व्यापार का सिर्फ़ 2.5-3त्न हिस्सा है। यह अंतर दिखाता है कि कितने बड़े मौके हैं जिनका अभी तक इस्तेमाल नहीं हुआ है।

भारत को एक नए नज़रिए की ज़रूरत है जो किसानों को बाज़ारों से जोड़े, क्वालिटी को इनाम दे और दुनिया भर में मुकाबला करने वाली वैल्यू चेन बनाए। साथ ही, प्रोसेसिंग, सप्लाई चेन, लॉजिस्टिक्स, पैकेजिंग, ब्रांडिंग और एग्री-सर्विस जैसी ज़्यादा वैल्यू वाली एक्टिविटी में ज़्यादा लोगों को लगाकर एफिशिएंसी में सुधार होना चाहिए। असल में, भारत को एक मॉडर्न एग्री-बिज़नेस इकोसिस्टम बनाना होगा। खेती को एक मॉडर्न, बाज़ार पर चलने वाली, इनोवेशन पर चलने वाली कंपनी के तौर पर फिर से खड़ा करना होगा। मार्केट-साइज़ के हिसाब से, भारत का एग्रीकल्चर सेक्टर अक्सर लगभग 600 बिलियन का माना जाता है। सही पॉलिसी, इन्वेस्टमेंट और मार्केट इंटीग्रेशन के साथ, ऐसा कोई कारण नहीं है कि आने वाले सालों में इसे दोगुना करके 1.2 ट्रिलियन न किया जा सके—और उसके बाद इसे और बढ़ाया जा सके। यह ग्रोथ ज़्यादा प्रोडक्टिविटी, ज़्यादा वैल्यू एडिशन, मज़बूत एक्सपोर्ट, सर्विस और पूरे एग्री-बिज़नेस इकोसिस्टम में इनोवेशन से आएगी। हाल ही में PAFI राउंडटेबल से निकले 10 आइडिया ये हैं।

पहला, किसानों को वैल्यू क्रिएशन के सेंटर में रखें। किसानों को प्रोसेसिंग, ब्रांडिंग और मार्केटिंग में पार्टनर होना चाहिए — सिर्फ़ कच्चे माल के सप्लायर नहीं। स्केल, बारगेनिंग पावर और कैपिटल तक पहुंच के लिए मज़बूत किसान-प्रोड्यूसर ऑर्गनाइज़ेशन और कोऑपरेटिव ज़रूरी हैं। दूसरा, केंद्र और राज्यों के बीच कोऑर्डिनेशन बेहतर करें। भारत को एग्रीकल्चरल पॉलिसी में तालमेल बिठाने, बंटवारा कम करने और बेस्ट प्रैक्टिस को बढ़ावा देने के लिए एक हाई-लेवल इंस्टीट्यूशनल मैकेनिज्म पर विचार करना चाहिए।

तीसरा, ट्रांसपेरेंट पॉलिसीमेकिंग के ज़रिए भरोसा बनाएं। सभी स्टेकहोल्डर—किसान, एंटरप्रेन्योर, सरकार और इंडस्ट्री—को एक-दूसरे को पार्टनर के तौर पर देखना चाहिए। रिफॉर्म सलाह-मशविरे वाले, पहले से पता होने वाले और साफ़ तौर पर बताए जाने वाले होने चाहिए, ताकि उन्हें शक की नज़र से न देखा जाए।

चौथा, मार्केट एक्सेस और ग्लोबल इंटीग्रेशन को मज़बूत करें। भारत को बेहतर ट्रेड फैसिलिटेशन, एक्सपोर्ट प्लेटफॉर्म और सर्टिफिकेशन के ज़रिए अपने माल को इंटरनेशनल लेवल पर पोज़िशन करते हुए घरेलू स्तर पर किसानों की सुरक्षा करनी चाहिए।

पांचवां, वैल्यू चेन में मज़बूती से आगे बढ़ना चाहिए। एग्रीकल्चर में भारत का वैल्यू एडिशन मुश्किल से 10त्न के आसपास है। प्रोसेस्ड सामान इंपोर्ट करते हुए कच्चे माल का एक्सपोर्ट करना एक मौका गंवाना है। हमें ब्रांडेड, पैकेज्ड और प्रीमियम प्रोडक्ट्स को बढ़ावा देना चाहिए।

छठा, वर्ल्ड-क्लास पोस्ट-हार्वेस्ट इंफ्रास्ट्रक्चर बनाएं। बर्बादी कम करने और कीमतों को स्थिर रखने के लिए कोल्ड चेन, स्टोरेज फैसिलिटी, लॉजिस्टिक्स हब और मॉडर्न मंडियां ज़रूरी हैं।

सातवां, बड़े पैमाने पर टेक्नोलॉजी का फ़ायदा उठाएं। डिजिटल मार्केटप्लेस, डेटा-बेस्ड एडवाइज़री टूल, प्रिसिजन फार्मिंग और ब्लॉकचेन-इनेबल्ड ट्रेसेबिलिटी किसानों को लगातार ग्लोबल स्टैंडर्ड्स को पूरा करने में मदद कर सकते हैं।

आठवां, खेती को एस्पिरेशनल और फ्यूचर-रेडी बनाएं। मॉडर्न खेती डेटा, फाइनेंस, लॉजिस्टिक्स, ब्रांडिंग और सस्टेनेबिलिटी को जोड़ती है। इसे एक हाई-पोटेंशियल प्रोफेशनल करियर के तौर पर पेश किया जाना चाहिए।

नौवां, स्टार्टअप्स और लॉन्ग-टर्म इन्वेस्टमेंट को अट्रैक्ट करें। स्टेबल रेगुलेशन, भरोसेमंद इंफ्रास्ट्रक्चर और प्रेडिक्टेबल पॉलिसीज़ के साथ, एग्री-बिज़नेस एक अहम इन्वेस्टमेंट डेस्टिनेशन बन सकता है।

दसवां, पॉलिटिक्स से परे ईमानदार और खुली बातचीत को बढ़ावा दें। भारत को खेती पर और ज़्यादा खुली चर्चाओं की ज़रूरत है—आइडियोलॉजी और चुनावी बातों से परे—जो सबूतों और लॉन्ग-टर्म नेशनल इंटरेस्ट से गाइडेड हों। हमें पॉलिटिक्स से इकोनॉमिक्स की ओर, सर्वाइवल से कॉम्पिटिटिवनेस की ओर जाना होगा। पॉलिसी डेटा, मार्केट सिग्नल और लॉन्ग-टर्म प्रोडक्टिविटी से गाइड होनी चाहिए—शॉर्ट-टर्म पॉपुलिज्म से नहीं। ग्रो ग्लोबल फार्मिंग कोई नारा नहीं है। यह खुशहाली के लिए एक स्ट्रेटेजी है। यह सफर अभी शुरू होना चाहिए—किसानों को इसके सेंटर में रखकर।

मुफ्त रेवड़ी संस्कृति जीवंत लोकतंत्र के लिये घातक

भारतीय लोकतंत्र की विडंबना यह है कि चुनाव आते ही जनसेवा का स्वरूप बदलकर जनलुभावन राजनीति में परिवर्तित हो जाता है। राजनीतिक दलों ने मुफ्त की योजनाओं को चुनावी सफलता का शॉर्टकट बना लिया है। मतदाताओं को तात्कालिक आर्थिक लाभ देकर वोट हासिल करने की प्रवृत्ति लगातार मजबूत हो रही है। आगामी तीन-चार माह में विधानसभा चुनाव होने है, इसी संदर्भ में जब असम, पश्चिम बंगाल, केरल और तमिलनाडु जैसे राज्यों में राजनीतिक सरगर्मियां तेज हुईं, तब इस संस्कृति का प्रभाव और स्पष्ट दिखाई देने लगा। इसी पृष्ठभूमि में देश की शीर्ष अदालत, सर्वोच्च न्यायालय, ने मुफ्त की योजनाओं के अनियंत्रित विस्तार पर गंभीर टिप्पणी की। यह टिप्पणी केवल कानूनी दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा को लेकर एक चेतावनी है।

लोकतंत्र का मूल उद्देश्य जनकल्याण है। राज्य का दायित्व है कि वह गरीब, वंचित और कमजोर वर्गों को सहारा दे। सामाजिक सुरक्षा योजनाएं, शिक्षा और स्वास्थ्य की सुविधाएं, न्यूनतम जीवन स्तर की गारंटी-ये सब कल्याणकारी राज्य की पहचान हैं। लेकिन जब जनहित और चुनावी लाभ के बीच की रेखा धुंधली हो जाती है, तब समस्या जन्म लेती है। लक्षित समर्थन और अतिरेक उदारता में अंतर है। एक ओर ऐसी योजनाएं हैं जो व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाती हैं, दूसरी ओर ऐसी घोषणाएं हैं जो केवल मतदाता को तात्कालिक राहत देकर उसे निर्भरता की आदत सिखाती हैं। जब राजस्व घाटे से जूझ रहे राज्य मुफ्त बिजली, मुफ्त यात्रा या नकद वितरण की घोषणाएं करते हैं, तो प्रश्न उठता है कि यह संसाधन कहां से आएंगे और इसकी कीमत कौन चुकाएगा? राजकोषीय अनुशासन किसी भी राज्य की आर्थिक सेहत का आधार है। यदि राज्य अल्पकालिक राजनीतिक लाभ के लिए खजाने को खाली करता है, तो दीर्घकालिक विकास प्रभावित होता है। जो धन बुनियादी ढांचे के निर्माण, अस्पतालों के सुद?ीकरण, विद्यालयों की गुणवत्ता सुधार और रोजगार सृजन में लगना चाहिए, वह वोटों की फसल काटने में खर्च हो जाता है। यह प्रवृत्ति केवल आर्थिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि नैतिक दृष्टि से भी चिंताजनक है। लोकतंत्र में मतदाता की स्वतंत्रता सर्वोपरि मानी जाती है। यदि मतदाता को परोक्ष रूप से आर्थिक प्रलोभन देकर प्रभावित किया जाता है, तो यह स्वतंत्र निर्णय की भावना को कमजोर करता है।

सर्वोच्च न्यायालय ने तार्किक प्रश्न उठाया कि राज्य रोजगार सृजन और कौशल विकास पर अधिक ध्यान क्यों नहीं देते? वास्तव में रोजगार ही स्थायी सशक्तीकरण का माध्यम है। जब व्यक्ति अपने श्रम और कौशल से आय अर्जित करता है, तब उसमें आत्मसम्मान और आत्मविश्वास दोनों विकसित होते हैं। इसके विपरीत, निरंतर मुफ्त सुविधाएं व्यक्ति को निर्भर बनाती हैं। धीरे-धीरे परिश्रम की संस्कृति कमजोर प?ती है और समाज में अकर्मण्यता की मानसिकता पनपने लगती है। यह स्थिति लोकतंत्र की सुद?ता के लिए खतरनाक है, क्योंकि लोकतंत्र केवल वोट डालने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि सक्रिय और जिम्मेदार नागरिकता का नाम है। चुनाव पूर्व घोषित योजनाओं की निष्पक्षता भी प्रश्नों के घेरे में है। जब आचार संहिता लागू रहने के दौरान ब? पैमाने पर आर्थिक वितरण होता है, तो विपक्षी दल इसे असमान प्रतिस्पर्धा मानते हैं। ऐसे मामलों में निष्पक्ष निगरानी की जिम्मेदारी भारत का निर्वाचन आयोग पर आती है। निर्वाचन आयोग को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कोई भी दल मतदाताओं को अप्रत्यक्ष रिश्वत देकर चुनावी लाभ न ले। आचार संहिता का उल्लंघन केवल तकनीकी त्रुटि नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मर्यादा का हनन है। यदि इस पर कठोर कार्रवाई नहीं होती, तो भविष्य में यह प्रवृत्ति और गहरी ज?ं जमा सकती है। निस्संदेह, इस बारे में कोई दो राय नहीं हो सकती है कि राज्यों का यह प्राथमिक कर्तव्य है कि वे विशेष रूप से कमजोर वर्ग के लोगों की खास तौर से देखभाल करें। हालांकि, जब राजस्व घाटे वाले राज्य मुफ्त की योजनाओं पर ब?ी रकम खर्च करते हैं, तो सरकारी खजाने पर दबाव और अधिक ब? जाता है। विडंबना यह है कि जिस धनराशि का इस्तेमाल बुनियादी ढांचे में सुधार, स्वास्थ्य सेवाओं को सक्षम बनाने और शिक्षा की सुविधा को समृद्ध करने के लिये किया जाना चाहिए, वो राशि अल्पकालिक राजनीतिक लाभ के लिये खर्च कर दी जाती है। जरूरत इस बात की है कि कौशल विकास के जरिये लोगों को इस तरह सक्षम बनाया जाए जिससे उन्हें दीर्घकालिक व स्थायी लाभ मिल सकें। यह भी समझना होगा कि मुफ्त योजनाओं का हर स्वरूप गलत नहीं है। आपातकालीन परिस्थितियों में राहत देना, महामारी या प्राकृतिक आपदा के समय सहायता पहुंचाना, सामाजिक न्याय के तहत वंचित वर्गों को अवसर देना-ये सब राज्य की जिम्मेदारी है।

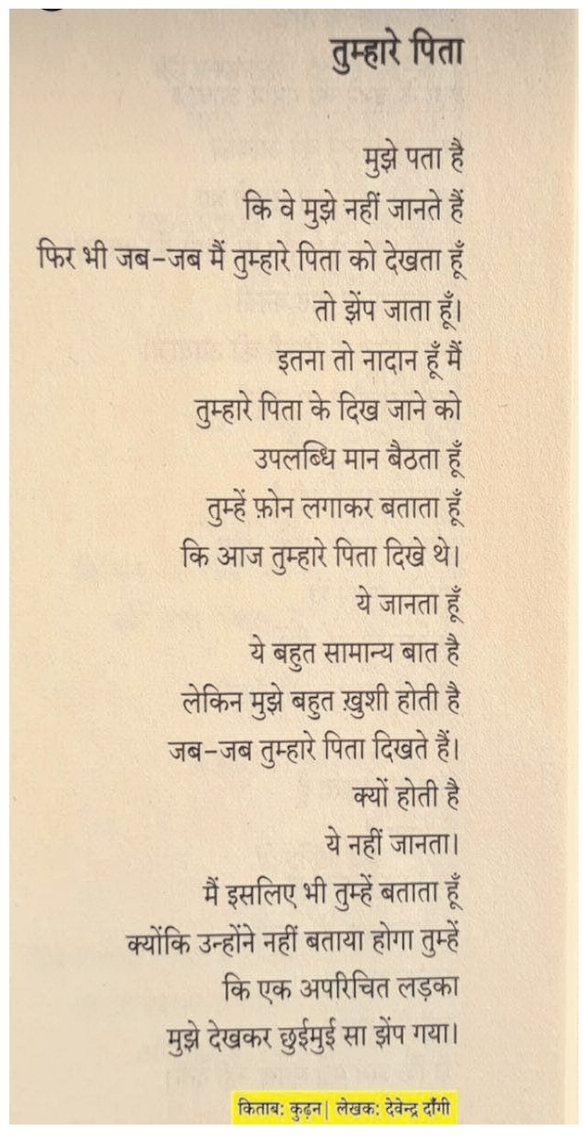

तुम्हारे पिता

मुझे पता है
कि वे मुझे नहीं जानते हैं
फिर भी जब-जब मैं तुम्हारे पिता को देखता हूँ
तो झेंप जाता हूँ।
इतना तो नादान हूँ मैं
तुम्हारे पिता के दिख जाने को
उपलब्धि मान बैठता हूँ
तुम्हें फ़ोन लगाकर बताता हूँ
कि आज तुम्हारे पिता दिखे थे।
ये जानता हूँ
ये बहुत सामान्य बात है
लेकिन मुझे बहुत ख़ुशी होती है
जब-जब तुम्हारे पिता दिखते हैं।
क्यों होती है
ये नहीं जानता।
मैं इसलिए भी तुम्हें बताता हूँ
क्योंकि उन्होंने नहीं बताया होगा तुम्हें
कि एक अपरिचित लड़का
मुझे देखकर छुईमुई सा झेंप गया।

किताब: कुढ़न | लेखक: देवेन्द्र दाँगी

होली में मस्ती करते बच्चों के साथ माता-पिता रखें इन खास बातों का ध्यान

होली पर बच्चों को कैमिकल वाले रंगों से दूर रखें, आंखों और त्वचा की सुरक्षा करें, बालों में तेल लगाएं, फिसलन से बचाएं और साफ-सफाई का ध्यान रखें ताकि होली सुरक्षित रहे.

होली रंगों का त्योहार है और बच्चों के लिए तो यह साल का सबसे मजेदार दिन होता है. लेकिन खेल-खेल में कई बार नजरअंदाज की गई छोटी-छोटी बातें दुर्घटना, स्किन रिएक्शन या चोट का कारण बन सकती हैं. इसलिए बच्चों को होली खेलने से पहले और खेलते समय कुछ सावधानियाँ जरूर बतानी और अपनानी चाहिए.

1. कैमिकल वाले रंगों से दूर रखे

बाजार में मिलने वाले कई रंगों में कैमिकल, ग्लास पाउडर या सिंथेटिक डाई होती है, जो बच्चों की त्वचा को नुकसान पहुंचाती है.

बच्चों को नेचुरल/ऑर्गेनिक रंग दें.

घर पर हल्दी, चावल का आटा, पालक या चुकंदर से बने रंग भी इस्तेमाल किए जा सकते हैं.

2. आंखों की सुरक्षा बेहद जरूरी

बच्चों की आंखें बहुत संवेदनशील होती हैं.

उन्हें समझाएं कि चेहरे और आंखों पर रंग न फेंकें.

चाहें तो बच्चों को सनग्लासेस पहनाकर भेजें.

अगर रंग आंख में चला जाए, तो तुरंत साफ पानी से धोएं, रगड़ने न दें.

3. त्वचा को सुरक्षित बनाएं

रंग खेलने से पहले बच्चे के चेहरे, हाथ-पैर और गर्दन पर तेल, नारियल तेल या मॉइश्चराइजर अच्छे से लगा दें.

इससे रंग आसानी से नहीं चिपकता और बाद में हटाते समय त्वचा नहीं छिलती.

4. बालों की सुरक्षा

बच्चों के बालों में रंग चिपक जाता है और बाद में रूखापन पैदा करता है.

खेलने से पहले बालों में तेल अच्छे से लगा दें.

हो सके तो टोपी या कैप पहनाएं.

5. पानी की फिसलन से बचाएं

होली में पानी का इस्तेमाल आम है, लेकिन फर्श गीला होने से बच्चे फिसल सकते हैं.

उन्हें दौड़ने या छत पर खेलने से मना करें.

पिचकारी से खेलने दें लेकिन बहुत पास से पानी न मारें.

6. चेहरे पर जबरदस्ती रंग न लगाया जाए

कई बार बच्चे एक-दूसरे के चेहरे पर जोर से रंग लगाते हैं, जिससे जलन, खरोंच या डर लग सकता है.

बच्चों को सिखाएं कि होली जबरदस्ती नहीं, मन से खेले जाती है.

7. कान, नाक और मुंह में रंग न जाए

बच्चों को बार-बार याद दिलाएं कि नाक या मुंह में रंग न जाने दें

पिचकारी का पानी सीधे चेहरे पर न चलाएं

8. साफ-सफाई का ध्यान रखें

होली के बाद बच्चे को गुनगुने पानी से स्नान कराएं.

स्क्रबर से जोर न लगाएं, इससे त्वचा छिल सकती है.

फेसवॉश या माइल्ड साबुन से हल्का मसाज करें.

9. छोटे बच्चों की खास निगरानी करें

2-5 साल के बच्चे रंगों से डर सकते हैं, इसलिए उन्हें बड़े बच्चों से दूर रखें और माता-पिता उनकी निगरानी करें.

सही तैयारी + हल्के रंग + सुरक्षा नियम = बच्चों की सुरक्षित और आनंदमय होली.

थोड़ी सतर्कता रखने से बच्चे बिना किसी नुकसान के रंगों की इस खूबसूरत त्योहार का पूरा मज़ा ले सकते हैं.

होलिका दहन क्यों मनाया जाता है? होलिका और भक्त प्रह्लाद से जुड़ी है होली की कथा

होलिका दहन का त्योहार बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। ऋषिकेश पंचांग के अनुसार, होलिका दहन 2 मार्च को मनाया जाएगा। पुराणों में इस पर्व से जुड़ी एक कथा बताई गई है जो हिरण्यकश्यप की बहन होलिका और विष्णु भगवान के भक्त प्रह्लाद से संबंधित है। होलिका को न जलने का वरदान होने के बावजूद वह इस दिन भस्म हो गई और भक्त प्रह्लाद सुरक्षित बाहर निकल आए। जानें क्या है यह पूरी कथा।

फाल्गुन मास की पूर्णिमा तिथि पर होलिका दहन का त्योहार मनाया जाता है। इस दिन को बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक माना जाता है। जो हमें अपने मन के भय को दूर करके आंतरिक परिवर्तन के लिए प्रेरित करने वाला है। ऋषिकेश पंचांग की गणना के अनुसार, इस साल होलिका दहन 2 मार्च, सोमवार के दिन मनाया जाएगा। पुराणों के अनुसार, इसी दिन हिरण्यकश्यप की बहन होलिका विष्णुजी के भक्त प्रह्लाद को अपनी गोद में लेकर जलती हुई चिता पर बैठी थी। लेकिन कुछ ऐसा संयोग बना जिससे होलिका और हिरण्यकश्यप की योजना सफल नहीं हो सकी। आइए विस्तार से जानते हैं होलिका दहन की कथा ।

होलिका और भक्त प्रह्लाद की कथा

पौराणिक कथाओं और मान्यताओं के अनुसार, प्राचीन काल में एक हिरण्यकश्यप नामक शक्तिशाली असुर था। जिसने घोर तपस्या करके ब्रह्माजी से एक विशेष वरदान प्राप्त किया था कि न उसे कोई मनुष्य मार सके, न कोई पशु, न अंदर मारा जा सके, न बाहर, न दिन में मारा जा सके, न रात में और किसी अस्त्र शस्त्र से भी उसकी मृत्यु न हो सके। ऐसा वरदान मिलने के कारण उसने अहंकार में खुद को ईश्वर बताना शुरू कर दिया और अपने राज्य में किसी भी व्यक्ति को भगवान विष्णु की पूजा करने से मना कर दिया।

भगवान विष्णु का परम भक्त था प्रह्लाद

हिरण्यकश्यप का एक प्रह्लाद नामक पुत्र था जो बचपन से भी भगवान विष्णु की भक्ति करता था और उनका परम भक्त बन गया। प्रह्लाद हमेशा विष्णुजी का स्मरण करता रहता था और उसके मुख भी पर केवल प्रभु का नाम था। हिरण्यकश्यप ने प्रह्लाद को विष्णुजी की भक्ति से दूर रखने के लिए कई बार प्रयत्न किए। लेकिन फिर भी असुर कुल में जन्म लेने के बाद भी प्रह्लाद ने कभी भी भगवान श्रीविष्णु की भक्ति करना नहीं छोड़ा। महर्षि व्यास रचित, विष्णु पुराण में बताया गया है कि, हिरण्यकश्यप ने प्रह्लाद को विषैले सांपों के पास छोड़ा, हाथियों के पैरों के नीचे डाला, ऊंचे पर्वत से नीचे गिरवाया और गहरे समुद्र तक में भी डुबोया। लेकिन भगवान विष्णु ने अपने भक्त को हर मुश्किल परिस्थिति से बाहर निकाल दिया।

होलिका भक्त प्रह्लाद को लेकर अग्नि में बैठीं

सभी प्रयास नाकाम होने के पश्चात हिरण्यकश्यप ने अपनी बहन होलिका को बुलाया जिसे अग्नि में कभी न जलने का वरदान प्राप्त था। उसे प्रह्लाद को अपनी गोद में लेकर चिता पर बैठने को कहा गया और होलिका ने ठीक ऐसा ही किया। वह भक्त प्रह्लाद को अपनी गोद में बिठाकर अग्नि में बैठ गई। लेकिन उस समय भी प्रह्लाद जरा भी न डरा और मन में केवल श्रीहरी का स्मरण करता रहा है। ऐसे में अपने वरदान को गलत तरीके से प्रयोग करने के कारण होलिका उसी अग्नि में जलकर भस्म हो गई। ब्रह्माजी के प्राप्त अग्नि से रक्षा करने वाला चादर उड़कर प्रह्लाद के ऊपर आ गया। ऐसे में होलिका जल गई और भगवान विष्णु की कृपा से उनका भक्त प्रह्लाद सुरक्षित अग्नि से बाहर निकल आया। इसी दिन को याद करते हुए होलिका दहन का त्योहार मनाया जाता है और इसे बुराई पर अच्छाई की जीत का दिन माना गया। इस घटने के बाद प्रभु भक्तों में भगवान का आभार प्रकट किया और होलिका की चिता के राख और रंगों से रंगोत्सव मनाया। इसलिए होलिका दहन के अगले दिन रंगोत्सव का त्योहार मनाया जाता है।

होली में खूब रंग खेले मगर सेहत को ध्यान में रखकर

रंगों के त्योहार होली की बहार है। हर तरफ उल्लास का वातावरण है। बाजारें,रंगों, गुलाल एवं खाने-पीने की चीजों से सज गया है। होली में खूब रंग खेले, खूब गुलाल उडाएँ परन्तु बाजार में सजे केमिकल वाले रंगो से बचे क्योकि यह रंग आपकी होली की बेरंग कर सकते है। इसीलिए कुछ सावधानियाँ अपनाकर होली मनाए जिससे होली का रंग बेरंग ना हो और होली की खुशियाँ बरकरार रहे।

होली में हर व्यक्ति एक-दूसरे को रंग लगाकर अपनी आत्मीयता का इज्हार करता है परन्तु उसे यह नहीं मालूम कि जो रंग वह लगा रहा है वह रसायनिक रंग है जिससे त्वचा को नुकसान पहुँच सकता है, श्वास एवं एल्र्जी की बीमारी हो सकती है। बाजार में बिकने वाले हरे रंग में तांबा, काले रंग में नाइट्रेट ऑक्साइड, परपिल रंग क्रोमाइड, सिल्वर कलर में एल्युमिनियम ब्रोमाइड, लाल रंग मारकरी सल्फेट रसायनों से बनता है। यह सभी रसायनिक रंग त्वचा पर जलन खुजली, दाने, एलर्जी, श्वास की तकलीफ उत्पन्न कर सकते है जो आपकी होली को बदरंग कर सकते है इसलिए रंग खेलने में प्राकृतिक रंगों का प्रयोग ही करना चाहिए।

होली में गुलाल भी खूब उड़ाया जाता है। बाजार में मिल रहे गुलाल में अवरक का इस्तेमाल होता है। इसमें बालू तथा अन्य रसायन पड़ें रहते है। इससे दमा का प्रकोप हो सकता है। इससे त्वचा में जलन, खुजली की समस्या हो सकती है। त्वचा खुरदरी हो सकती है इसलिए हर्बल गुलाल का प्रयोग करना चाहिए रंग के स्थान पर पेंट, तारकोल, कीचड़ आदि का प्रयोग बिल्कुल न करे इससे त्वचा बदरंग हो सकती है। रंग खेलने से पहले शरीर पर तेल आवश्य लगा लो रंग खेलते समय इन बातों पर जरूर ध्यान देना चाहिए-

रंग छुड़ाने के लिए उपटन का प्रयोग करना चाहिए रंग छुड़ाने के लिए बार-बार साबुन न रगड़े।

यदि त्वचा खुजली के साथ पानी निकले तो साफ पानी से धुले।

यदि ऑख मं रंग पड़ जाये तो रगड़े नहीं बल्कि साफ पानी से धोए।

रंग खेलते समय शरीर पर टोपी जरूर लगाए। पूरे आस्तीन के कपड़े पहने।

गीले आस्तीन के कपड़े ज्यादा देर ना पहने।

इस प्रकार कुछ सावधानियॉ अपनाकर सुरक्षित होली मनायी जा सकती है। होली के पर्व पर बाजार रंग-बिरंगी मिठाइयों सें सज गया है। मिठाइयों, अन्य खाने की चीजों जैसे खोया, दूध पनीर में मिलावट का खतरा हो सकता है। इनमें रसायनिक तत्वों पेंट, यूरिया, निरमा, मिलावटी तेल, मिला रहता है जिससे पीलिया, पेट में जलन, संक्रमण, दस्त, उल्टी, गैस, दर्द आदि की गंभीर समस्याएं हो सकती है इसलिए खाने-पीने की चीजें जांच-परखकर ही खरीदे। बाजार की बजाय घर की बनी चीजों का प्रयोग करो ड्राई फ्रूट का ज्यादा इस्तेमाल करे इससे सुरक्षित होली मनाई जा सकती है।

होली में शराब का नशा बहुत आम है। लोग भांग पीकर होली मनाते है। इस उल्लास पूर्ण होली के पर्व को नशे का सेवन बेमजा कर सकता है। आइए इस उल्लासपूर्व रंगों के पर्व होली को सुरक्षित तरीके से मनाकर चार चांद लगाए।

होली के रंगों का अलग-अलग ग्रहों से है संबंध

ज्योतिषशास्त्र के अनुसार, होलाष्टक से लेकर होलिका दहन तक की अवधि को प्रतिकूल माना गया है। मान्यता है की इस दौरान सभी ग्रह उग्र स्थिति में रहते हैं। पंडित राकेश झा बताते हैं कि, रंगों का अलग-अलग ग्रहों से संबंध होता है। रत्न भी अलग-अलग रंग के होते हैं और ग्रहों के रंग के अनुसार अलग-अलग ग्रहों का प्रतिनिधित्व भी करते हैं। होली के दिन अलग-अलग रंगों का इस्तेमाल करने से ग्रहों की प्रतिकूलता और नकारात्मकता दूर होती है। साथ ही, इससे सकारात्मक ऊर्जा में वृद्धि होती है। ऐसी मान्यता है की ये रंग हमारे अंदर ऊर्जा और उत्साह भरते हैं। साथ ही, इससे आरोग्य की भी प्राप्ति होती है। रंगों का त्योहार होली चैत्र मास की प्रतिपदा तिथि को मनाया जाता है। चैत्र वह महीना है जब सर्दी समाप्त हो रही होती है और गर्मी चढान पर होती है यानी यह ऋतुओं का संक्रमण काल भी होता है। प्राचीन मान्यता है कि, इस समय संक्रामक रोग भी विकसित होते हैं, और प्राकृतिक रंग रोगों से रक्षा करते हैं, इसलिए कई क्षेत्रों में इस समय पशुओं को भी रंग लगाया जाता है।

वैसे आज कल केमिकल वाले रंग भी खूब प्रयोग किए जाने लगे हैं तो इनसे लाभ की बजाय नुकसान भी हो कता है। इसलिए शास्त्रीय मत यह कहता है कि प्राकृतिक रंगों का ही प्रयोग करना चाहिए जो सकारात्मकता बढते हैं।

गुलाल के अलग-अलग रंगों का महत्व

हरा रंग- ज्योतिषशास्त्र में हरे रंग को बुध ग्रह से संबंधित माना गया है। यह रंग विकास, समृद्धि, संतुलन और शांति का प्रतीक है।

पीला रंग- यह रंग गुरु ग्रह से संबंधित होता है। पीला रंग ज्ञान, पवित्रता, ऊर्जा और खुशी का प्रतीक है। होली पर इस रंग का प्रयोग करने से जीवन में सकारात्मकता आ सकती है। दरअसल यह गुरु के शुभ प्रभाव को बढाने का काम करता है।

लाल रंग- ज्योतिषशास्त्र में लाल रंग को मंगल ग्रह से संबंधित माना गया है। इसे ऊर्जा, शक्ति और साहस का प्रतीक माना गया है।

गुलाबी रंग- यह रंग शुक्र ग्रह से संबंधित होता है। गुलाबी रंग को प्रेम, कोमलता, शांति और स्नेह का प्रतीक माना गया है।

नारंगी रंग- ज्योतिषशास्त्र के अनुसार, नारंगी रंग सूर्य ग्रह से संबंधित होता है। यह ऊर्जा, उत्साह, खुशी और रचनात्मकता का प्रतीक है।

होली पर क्यों खेलते हैं रंग गुलाल? अलग-अलग रंगों का होता है खास महत्व

रंग और उत्साह का पर्व होली वृंदावन, बरसाना सहित पूरे देश में धूमधाम से मनाया जाता है। देश के कई भागों में फुलेरा दूज से भी यूं तो होली का त्योहार शुरू हो जाता है। लेकिन होलिका दहन और और उसके बाद होने वाले रंगोत्सव का अपना अलग ही महत्व है क्योंकि यह मुख्य होली का त्योहार होता है जिसमें अलग-अलग रंगों से होली खेली जाती है, और ज्योतिषशास्त्र में हर रंग का अपना महत्व बताया गया है जो किसी न किसी ग्रह से संबंध रखते हैं।

होली के त्योहार का हिंदू धर्म में खास महत्व होता है। फाल्गुन मास की पूर्णिमा को होलिका दहन के साथ लोग उत्साह पूर्वक रंगोत्सव का त्योहार मनाते हैं। कुछ लोग होलिका की राख से भी होली खेलते हैं। कुछ लोग खास तौर पर बच्चे तो पानी से भी होली खेलते हैं लेकिन होली का मुख्य आकर्षण रंग होते हैं। और लोग एक दूसरे पर लाल, पीला, हरा, नीला, सफेद, चमकीले रंग लगाकर भी होली का आनंद मनाते हैं। रंगोत्सव का यह त्योहार भारत सहित नेपाल में भी बहुत धूमधाम से मनाया जाता है। साथ ही भारतीय दुनिया के किसी भी देश में रहें अपनी परंपरा के अनुसार रंगोत्सव का त्योहार मनाते हैं। दरअसल होली का त्योहार बुराई पर अच्छाई की जीत और अधर्म पर धर्म की जीत का भी प्रतीक माना गया है। और धार्मिक दृष्टि से होली के रंग इस बात को बयां करते हैं। वैसे होली पर रंग, गुलाल खेलने के और भी कई कारण हैं और इसके लाभ भी बताए जाते हैं। इसके पीछे ज्योतिषीय कारण और पौराणिक कथा छिपी हुई है। आइए विस्तार से जानें कि क्यों खेली जाती है रंगों वाली होली और अलग-अलग रंगों का क्या है महत्व।

राधा-कृष्ण से संबंधित है होली का त्योहार- पौराणिक कथाओं और मान्यताओं के अनुसार, भगवान कृष्ण जब बालक थे तब वह इस बात से चिंतित और परेशान थे की क्या गोरी राधा उनके सांवले रंग को पसंद करेंगी। तब यशोदा मईया ने कहा की राधा के पास जाओ और उनसे अपने मुख पर कोई भी रंग लगाने के लिए कहना। ऐसा सुनकर कान्हाजी राधा रानी के पास गए और उन्होंने भगवान कृष्ण को रंग लगाया। ऐसी मान्यता है कि तभी से होली के दिन रंग और गुलाल लगाने की परंपरा शुरू हुई। मथुरा वृंदावन की लोक कथाओं में इस तरह की कथा लोग कहते सुनाते हैं।

न्यूज ब्रीफ

नागपुर फैक्ट्री ब्लास्ट, 21 डॉयरेक्टर्स के खिलाफ केस, 9 गिरफ्तार:दो और घायलों ने इलाज के दौरान दम तोड़

नागपुर (महाराष्ट्र), महाराष्ट्र में नागपुर जिले के राउलगांव स्थित गोला-बारूद निर्माण कंपनी एसबीएल एनर्जी लिमिटेड में रविवार को हुए धमाके से घायल दो और लोगों ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

इससे मृतकों की संख्या बढ़कर 19 हो गई है। उधर, पुलिस ने एसबीएल एनर्जी लिमिटेड के नौ डॉयरेक्टर्स को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने कंपनी के 21 डॉयरेक्टर्स और शेयरधारकों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

पुलिस ने बताया कि 23 अन्य घायल श्रमिकों का यहां के अस्पतालों में इलाज चल रहा है। धमाका नागपुर जिले की कटोल तहसील के राउलगांव स्थित खनन और औद्योगिक विस्फोटक निर्माता कंपनी एसबीएल एनर्जी लिमिटेड की डेटोनेटर पैकिंग इकाई में हुआ।

पुलिस ने बताया कि शव बुरी तरह जल चुके हैं और उनकी पहचान करने के लिए परिवार के सदस्यों के डीएनए नमूने लिए जा रहे हैं। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने विस्फोट के कारणों की गहन जांच के आदेश दिए हैं।

पंचायत चुनाव पर बड़ा फैसला लेगा राजस्थान का गांव:होलिका दहन की लपटों से पता करेंगे कैसी होगी बारिश

नागौर, राजस्थान का एक ऐसा गांव, जहां होली पर पूरा गांव इकट्ठा होता है। बुजुर्गों की अगुवाई में यहीं पर लिए जाते हैं सामाजिक सरोकार से जुड़े फैसले।

ये फैसले पंच नहीं, बल्कि पूरा गांव मिलकर लेता है। इस बार ये गांव पंचायत और शराब से जुड़े दो बड़े फैसले लेने की तैयारी कर रहा है। ये गांव है नागौर जिले का ईनाणियां। नागौर से 13 किलोमीटर दूर ये गांव मूंडवा पंचायत समिति में आता है। 11 हजार आबादी वाले इस गांव में करीब साढ़े सात हजार वोटर हैं, जो इस होली पर पंचायत चुनाव से जुड़ा फैसला लेंगे।

सालों से चली आ रही इस परंपरा का असर ये रहा कि गांव में डीजे से लेकर शराब और आतिशबाजी तक बैन है। एक खास बात ये भी है यहां के लोग अपने नाम के साथ जाति की जगह गांव का नाम 'ईनाणियां' लगाते हैं। होलिका दहन से पहले खेजड़ी की पूजा कर उसे लाया जाता है। होलिका दहन के दिन गांव के रूपावतों के बास, गोगामंड और चंवरी के बास के लोग होलिका उखाड़ने के लिए दो खेजड़ी लेकर आते हैं। पूजन के साथ इन्हें गांव के बीच रोपा जाता है। होलिका दहन के दौरान इन दोनों खेजड़ी को रस्सों से बांधा जाता है। इस दिन दो दल बनाए जाते हैं। प्रत्येक दल में 25-25 लोग होते हैं।

अजित पवार के बेटे ने वीडियो शेयर किया:इसमें प्लेन कंपनी मालिक मेन पायलट सीट पर सोते दिखे, लिखा- ऐसी लापरवाही बर्दाश्त नहीं

मुंबई, महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार के बेटे जय पवार ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर कर VSR वेंचर्स की उड़ानों को तुरंत रोकने की मांग की।

28 जनवरी 2026 को इसी कंपनी के प्लेन क्रैश में जय के पिता अजित पवार का निधन हुआ था।

जय पवार ने वीडियो शेयर कर लिखा- मैंने अपने पिता को खो दिया है... यह पीड़ा जिंदगी भर मेरे साथ रहेगी। उन्होंने लिखा कि इस वीडियो में वीएसआर के मालिक रोहित सिंह मुख्य पायलट की सीट पर उड़ान के दौरान सोते हुए दिखाई दे रहे हैं।

आसमान में ऐसी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जा सकती। यह बेहद गंभीर और चौंकाने वाला मामला है।

जय ने लिखा कि मैं डायरेक्टरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (DGCA) से मांग करता हूं कि इस मामले में तुरंत सख्त कार्रवाई की जाए। पूरी जांच होने तक VSR की सभी उड़ानों को तत्काल ग्राउंड किया जाए और रोहित सिंह को तुरंत गिरफ्तार कर उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई

की जाए।

यह एक बेटे की पुकार है... मेरे पिता के लिए और हर यात्री की सुरक्षा के लिए। 28 जनवरी 2026 को महाराष्ट्र के बारामती में हुए Learjet 45 क्रैश में अजित पवार की मृत्यु हो गई थी।

इसके बाद किए गए स्पेशल सेफ्टी ऑडिट के दौरान नियमों के उल्लंघन सामने आया था। इसके बाद DGCA ने VSR वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड के चार प्लेन को ग्राउंड कर दिया है।

डीजीसीए के बयान में कहा गया %28.01.2026 को बारामती में VSR वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड के Learjet 45 एयरक्राफ्ट (VT-SSK) के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद, डीजीसीएने स्पेशल सेफ्टी ऑडिट का आदेश दिया।

ऑडिट टीम ने एयरवर्दीनेस, एयर सेफ्टी और फ्लाइट ऑपरेशन में कई बार नियमों का पालन न होने की जानकारी दी।

इस आकलन के बाद, डीजीसीए ने चार एयरक्राफ्ट(VT-VRA, VT-VRS, VT-VRV और VT-TRI) को तुरंत ग्राउंड कर दिया कार्रवाई शुरू कर दी।

पुलिस ने जमानत का विरोध किया

AI समिट में शर्टलेस प्रदर्शन-यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को जमानत:दिल्ली कोर्ट बोली- नारे भड़काऊ नहीं थे, लोगों

नई दिल्ली, दिल्ली की एक कोर्ट ने AI समिट में शर्टलेस विरोध प्रदर्शन के मामले में गिरफ्तार इंडियन यूथ कांग्रेस (IYC) के नौ कार्यकर्ताओं को सोमवार को जमानत दे दी है।

कोर्ट ने कहा कि यह प्रदर्शन सिर्फ सरकार की आलोचना करने का तरीका था। इसलिए मुकदमा शुरू होने से पहले किसी को जेल में रखना कानून के मूल सिद्धांतों के खिलाफ होगा।

कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि प्रदर्शन के समय लगाए गए नारे भड़काऊ नहीं थे। उनमें कोई धार्मिक या क्षेत्रीय रंग नहीं था।

किसी तरह की तोड़फोड़ या लोगों को डराने का भी कोई सबूत नहीं मिला। कोर्ट ने यह भी बताया कि प्रदर्शन करने वालों को सुरक्षा के साथ बाहर ले जाया गया था।

कोर्ट ने कहा- आजादी अधिकार है और जेल केवल खास स्थिति में होनी चाहिए। अगर ट्रायल से पहले किसी को बिना जरूरी कारण के जेल में रखा जाए तो यह बिना सजा तय हुए ही सजा देने जैसा होगा। न्यायिक मजिस्ट्रेट (फर्स्ट क्लास) रवि ने कृष्ण

हरि, नरसिंह यादव, कुंदन कुमार यादव, अजय कुमार सिंह, जितेंद्र सिंह यादव, राजा गुर्जर, अजय कुमार विमल उर्फ बंटू, सौरभ सिंह और अरबाज खान की जमानत याचिकाओं पर सुनवाई के बाद यह आदेश पारित किया।

दिल्ली पुलिस ने कहा कि आरोपी, जो इंडियन यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ता हैं, 20 फरवरी को एआई समिट के स्थान पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तस्वीरों वाली सफेद टी-शर्ट पहनकर या हाथ में लेकर पहुंचे थे। इन टी-शर्ट्स पर इंडिया-यूएस ट्रेड डील, एपस्टीन फाइल्स और पीएम इज कम्प्रोमाइज्ड जैसे नारे लिखे थे। पुलिस ने आरोप लगाया कि वहां अंतरराष्ट्रीय मीडिया मौजूद थी और उसी दौरान नारेबाजी की गई।

जब पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की तो पुलिसकर्मियों से धक्का-मुक्की हुई, जिससे कुछ पुलिसकर्मी घायल हुए। पुलिस का कहना है कि इसके मेडिकल सबूत भी मौजूद हैं।

जमानत की मांग का विरोध करते हुए संविधान शांतिपूर्ण प्रदर्शन का अधिकार देता है, लेकिन यह कुछ शर्तों के साथ आता है। दिल्ली स्थित भारत मंडपम में इंडियन यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने 20 फरवरी को AI समिट 2026 में भारत-अमेरिका ट्रेड डील के खिलाफ प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने टी-शर्ट उतारकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ 'PM इज कॉम्प्रोमाइज्ड' के नारे लगाए। टी-शर्ट पर PM मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की फोटो लगी है। उस पर लिखा था- PM इज कॉम्प्रोमाइज्ड।

दिल्ली पुलिस ने इनके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) की गंभीर धाराओं के तहत FIR दर्ज की थी, जिनमें आपराधिक साजिश, पब्लिक सर्वेंट को चोट पहुंचाना, उन पर हमला करना और काम में बाधा डालना सहित कई गंभीर आरोप शामिल हैं।

इंडियन यूथ कांग्रेस (IYC) के प्रेसिडेंट, उदय भानु चिब, और पूर्व नेशनल स्पोक्सपर्सन, भूदेव शर्मा को इस सिलसिले में 23 फरवरी को गिरफ्तार किया गया था। बाद में दोनों को दिल्ली की एक कोर्ट में पेश किया गया और पूछताछ के लिए पुलिस कस्टडी में भेज दिया गया।

युद्ध के कारण खाड़ी देशों की उड़ाने रद्द:जयपुर से दुबई, अबू धाबी और शारजाह के लिए जाने वाली फ्लाइट्स कैंसिल

जयपुर, मध्य-पूर्व के देशों में चल रहे युद्ध के कारण खाड़ी देशों की तरफ जाने वाली फ्लाइट्स आज भी रद्द रही। जयपुर से दुबई, अबू धाबी और शारजाह की फ्लाइट्स आज भी उड़ान नहीं भर सकी। इस कारण इन देशों में फंसे सैंकड़ों यात्री और यहां से इन देशों में जाने वाले यात्री फंस गए है।

एयरपोर्ट सूत्रों के मुताबिक एतिहाद एयरवेज की फ्लाइट EY-329 अबू धाबी के लिए जाती है वह आज भी रद्द रही। ये फ्लाइट जयपुर से रात 3:15 बजे संचालित होती है। इसके अलावा एयर अरबिया की शारजाह जाने वाली फ्लाइट G9-436 जो अलसुबह 4:10 बजे जाती है वह भी फ्लाइट रही। इसी तरह जयपुर से दुबई जाने वाली एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट IX-195 भी रद्द रही।

लगातार तीसरे दिन उड़ाने प्रभावित

अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध के कारण ये लगातार तीसरा दिन है जब खाड़ी देशों में उड़ाने रद्द रही। इसे देखते हुए जयपुर एयरपोर्ट मैनेजमेंट ने भी यात्रियों के लिए एडवाइजरी जारी की है। प्रबंधन ने कहा है कि इस तनाव के कारण खाड़ी देशों में जाने वाली तमाम फ्लाइट्स का संचालन रूक गया है।

ऐसे में जब तक स्थिति सामान्य नहीं हो जाती, तब तक वे एयरपोर्ट पहुंचने से पहले अपनी संबंधित एयरलाइन से फ्लाइट की ताजा स्थिति की जानकारी अवश्य प्राप्त कर लें। बिना पुष्टि के एयरपोर्ट आने से बचें और यात्रा की योजना एयरलाइन से संपर्क में रहकर ही बनाएं।

मजबूत घरेलू मांग से फरवरी में भारत का मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई चार महीने के उच्च स्तर पर

भारत का मैन्युफैक्चरिंग परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) जनवरी के 55.4 से बढ़कर फरवरी में 56.9 पर पहुंच गया, जो चार महीने का उच्चतम स्तर है। एसएंडपी ग्लोबल के आंकड़ों के अनुसार, भारतीय वस्तुओं की घरेलू मांग में उल्लेखनीय सुधार से नए ऑर्डर बढ़े और उत्पादन में चार महीनों की सबसे तेज वृद्धि दर्ज की गई।

मौसम के अनुसार समायोजित एचएसबीसी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई के नवीनतम आंकड़े इस क्षेत्र की स्थिति में स्पष्ट सुधार को दर्शाते हैं। एचएसबीसी की चीफ इंडिया इकोनॉमिस्ट प्रांजुल भंडारी ने कहा कि फरवरी में विनिर्माण गतिविधियों में तेजी देखी गई और लगातार दूसरे महीने उत्पादन की रफ्तार बढ़ी, जिसे मजबूत घरेलू ऑर्डरों का समर्थन मिला। हालांकि, नए निर्यात ऑर्डरों की वृद्धि में गिरावट का

रुझान जारी रहा, जो वर्ष 2025 के मध्य से शुरू हुआ था। इससे विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार सृजन कुछ हद तक प्रभावित हुआ। भारतीय वस्तु उत्पादकों ने बताया कि मजबूत मांग, विपणन पहलों और ग्राहकों की बढ़ती जरूरतों के कारण नए कारोबार में विस्तार हुआ। वृद्धि की रफ्तार ऐतिहासिक रूप से ऊंची रही और पिछले अक्टूबर के बाद सबसे तेज रही। उत्पादन में भी चार महीनों की सबसे तेज वृद्धि दर्ज की गई, जो दीर्घकालिक औसत से अधिक रही। कंपनियों के अनुसार दक्षता में सुधार, मजबूत मांग, नए ऑर्डर और तकनीकी निवेश से उत्पादन बढ़ा। लागत पर दबाव कम रहा और जनवरी के समान मध्यम दर से बढ़ा। हालांकि, तैयार उत्पादों की कीमतों में वृद्धि दीर्घकालिक औसत से अधिक रही।

पीएमआई एक ऐसा सूचकांक है जो नए ऑर्डर, उत्पादन, रोजगार, आपूर्तिकर्ताओं की डिलीवरी समय और खरीदी गई वस्तुओं के भंडार के आधार पर क्षेत्र की समग्र स्थिति को दर्शाता है। जहां बाहरी बिक्री बढ़ी, वहां कंपनियों ने एशिया, यूरोप, मध्य पूर्व और अमेरिका से मांग में बढ़ोतरी का हवाला दिया। रिपोर्ट के अनुसार फरवरी में नए निर्यात ऑर्डरों की वृद्धि पिछले 17 महीनों में सबसे धीमी रही और विस्तार की दर दीर्घकालिक औसत के करीब पहुंच गई।

गूगल से फोटो बनाई, रेलवे में नौकरी हासिल की: सीबीआई ने बिहार के दो जालसाजों को पकड़ा

जबलपुर, रेलवे में फर्जीवाड़ा और जालसाजी करते हुए नौकरी पाने वाले दो युवकों को जबलपुर सीबीआई की टीम ने गिरफ्तार किया है। दोनों युवक बिहार के मुंगेर जिले के रहने वाले हैं। युवकों के बीच नौकरी को लेकर 6 लाख रुपए का सौदा हुआ था। जबलपुर सीबीआई ने धोखाधड़ी और जालसाजी करने वाले दोनों आरोपियों को बिहार से गिरफ्तार कर जबलपुर कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया है। भारतीय रेलवे में 2024 में अलग-अलग पदों के लिए करीब 8 हजार से अधिक भर्तियां निकली थी। इसमें देश भर से अभ्यर्थी शामिल हुए थे। इसमें टेक्नीशियन का पद भी था। मुंगेर निवासी मुकेश कुमार

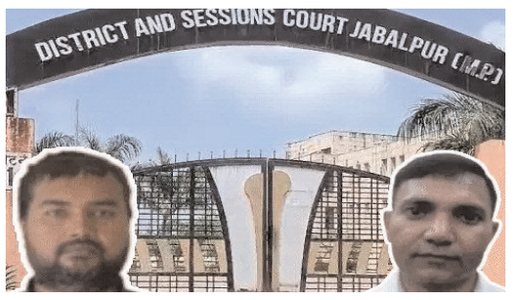

ने इस पोस्ट के लिए फार्म भरा। मुकेश ने पड़ोस के ही रंजीत कुमार जो कि कोचिंग पढ़ाया करता है, उससे संपर्क किया। मुकेश ने डील की कि उसकी नौकरी लग जाती है, तो 6 लाख रुपए नकद देगा। मुकेश ने रंजीत कुमार से परीक्षा में बैठने से लेकर नौकरी लग जाने तक के लिए 6 लाख रुपए देने की बात कही। वह लालच में आ गया और मुकेश के स्थान पर बैठने के लिए तैयार हो गया। अप्रैल 2024 में फार्म भरा गया। जहां दिसंबर में पटना सीबीटी में परीक्षा हुई। एग्जाम पास करने के बाद दस्तावेज सत्यापन और मेडिकल के लिए भोपाल बुलाया गया। यहां पर भी रंजीत कुमार, मुकेश बनकर पहुंचा। मेडिकल कोटा अस्पताल में हुआ। जुलाई 2025 में पैनल बैठी। जहां मुकेश का सिलेक्शन हो गया। मुकेश की टेक्नीशियन के पद पर नौकरी लग चुकी थी। सितंबर 2025 में उसकी ज्वाइनिंग हो गई। इस दौरान मुकेश कुमार ने दमोह, सागर और जबलपुर में काम किया। अक्टूबर 2025 में ट्रेनिंग के लिए मुकेश कुमार को प्रयागराज भेज दिया गया। रेलवे में नियम है कि नई भर्ती वाले कर्मचारियों का एक साल के भीतर बायोमैट्रिक के जरिए सत्यापन होता है। 14 नवंबर 2025 को जब टेस्ट हुआ तो उसमें मुकेश के अंगूठे और चेहरे का मिलान नहीं हो पाया और वह फेल हो गया। इसके बाद बिना जबलपुर में रुके मुकेश वहां से गायब हो गया और सीधे बिहार आ गया। जबलपुर मंडल की ओर से इस फर्जीवाड़े में सीबीआई को लिखित में शिकायत दी गई, जिसके बाद 2 दिसंबर 2025 को मुकेश कुमार के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई।

शादी के डेढ़ साल बाद विवाहिता की मौत:चचेरा भाई बोला- दहेज के लिए टांके में डुबाकर मार डाला

बाड़मेर, शादी के डेढ़ साल बाद विवाहिता की संदिग्ध हालात में मौत होने का मामला सामने आया है। महिला ने घर के पास बने टांके में कूदकर जान दे दी थी। घटना के 2 दिन बाद पीहर पक्ष ने ससुराल पक्ष पर हत्या का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कर करवाया है।

रामसर थानाधिकारी पदमाराम ने बताया- रामसर थाना इलाके के चाडी, गिडालियों का तला गांव निवासी जेती पत्नी रेश्माराम ने शनिवार को टांके में कूदकर सुसाइड कर लिया था। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लिया और मेडिकल बोर्ड से पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। मामले की जांच रामसर डीएसपी कर रहे है। चचेरे भाई जूंजाराम ने बताया- बहन की शादी गिडालियों का तला में की हुई थी। ससुराल के लोगों ने पहले भी विवाहिता को परेशान किया।

गांव के प्रबुद्धजनों को लाकर हमने समझाइश भी की थी। लेकिन वो लोग माने नहीं। विवाहिता के गले में खरोंचे आई हुई है। हमें संदेह है कि टांके में डूबाकर उसकी हत्या कर दी गई। शक जेठ मगाराम पर है, जो घर पर ही रहता है। साजिश उसकी और विवाहिता के पति रेशमाराम की है। लेकिन घटना के समय पति घर पर नहीं था, इसलिए मगाराम पर पूरा संदेह है। पुलिस ने उचित कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है। रामसर थानाधिकारी पदमाराम ने बताया- पीहर पक्ष ने सोमवार को रिपोर्ट दी है। इसमें पति रेश्माराम, जेठ मगाराम और सास पर मर्डर कर महिला को टांके में डालकर हत्या करने का आरोप लगाया है। रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर लिया है।

भगोरिया मेले में नाबालिग की हत्या, 4 गिरफ्तार

आलीराजपुर, आलीराजपुर की सोंडवा पुलिस ने वालपुर के भगोरिया मेले में हुई नाबालिग की हत्या का मामला 48 घंटे के भीतर सुलझा लिया है। इस मामले में तीन बालिग और एक नाबालिग सहित कुल चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। नाबालिग की हत्या मामूली धक्का लगने के विवाद के बाद चाकू मारकर की गई थी।

यह घटना 27 फरवरी को सोंडवा थाना क्षेत्र के ग्राम वालपुर में आयोजित भगोरिया मेले के दौरान शाम 4 से 5 बजे के बीच हुई थी। मेले में दो पक्षों के युवकों के बीच धक्का लगने को लेकर विवाद शुरू हुआ। विवाद बढ़ने पर एक पक्ष के अज्ञात युवकों ने तलावद (थाना उदयगढ़) निवासी एक नाबालिग बालक पर लात-घूंसों से हमला किया और धारदार चाकू से उसके पेट, पीठ और छाती पर वार किए।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने घायल नाबालिग को तत्काल सोंडवा अस्पताल पहुंचाया, जहां से उसे जिला चिकित्सालय आलीराजपुर रेफर किया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए, जिला पुलिस अधीक्षक रघुवंश सिंह ने थाना प्रभारी सोंडवा राजाराम बडोले के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया। गठित टीम ने जांच के दौरान त्वरित कार्रवाई की। उन्होंने वालपुर मेला स्थल पर लगे ग्राम पंचायत के सीसीटीवी कैमरों और निजी प्रतिष्ठानों के फुटेज का विश्लेषण किया। साथ ही, पारंपरिक मुखबिर तंत्र को सक्रिय कर संदिग्धों के बारे में महत्वपूर्ण सुराग जुटाए।

मुरैना में चोर के कंधे पर बैठकर नाचे टीआई:साथ में मनाया जन्मदिन, फिर बोले- उस पर केस दर्ज है, पता नहीं था; सस्पेंड

मुरैना, मुरैना में जौरा थाना प्रभारी दर्शन लाल शुक्ला का अपराधियों के साथ जन्मदिन मनाने और नाचने-गाने का वीडियो सामने आया है। बर्थडे सेलिब्रेशन 28 फरवरी की रात करीब 9 बजे थाना परिसर में ही शुरू हुआ। इसमें थाना प्रभारी को मालाएं पहनाई गईं, केक काटा गया। बधाई देने वालों की लाइन लगी रही।

सेलिब्रेशन में कोतवाली थाना इलाके का हिस्ट्रीशीटर बाइक चोर लवकुश शर्मा भी था। उसने टीआई दर्शन लाल शुक्ला को अपने कंधों पर उठा लिया। उन्हें कंधे पर बैठाकर पूरे थाना परिसर में नाचते हुए घुमाता रहा। इसका वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में दिख रहा है कि लवकुश, टीआई दर्शन लाल शुक्ला

को कंधे पर बैठाकर थाना परिसर में घुमा रहा है। पीछे-पीछे थाने का स्टाफ और दूसरे लोग चल रहे हैं।

इस पर कार्रवाई करते हुए एसपी समीर सौरभ ने टीआई दर्शन लाल शुक्ला को सस्पेंड कर दिया है। उन्हें पुलिस लाइन में अटैच किया गया है। मामले की जांच एडिशनल एसपी सुरेंद्र प्रताप करेंगे। रिकॉर्ड के अनुसार, मुरैना सिटी कोतवाली थाना पुलिस ने 12 जून 2025 को लवकुश शर्मा को बाइक चोरी के मामले में गिरफ्तार किया था। उसने तीन साथियों के साथ मिलकर करीब 13 लाख रुपए कीमत की 18 बाइकें चोरी की थीं। उस समय पुलिस ने उसे गिरोह का सक्रिय सदस्य और सरगना बताया था। इस मामले में जमानत पर बाहर आने के बाद 12 जनवरी 2026 को लवकुश और उसके साथियों ने गांव में अवैध विद्युत पंप कनेक्शन काटने आए एई पुष्पेंद्र यादव और अन्य बिजलीकर्मियों को पीट दिया था। उस पर शासकीय कार्य में बाधा का मामला भी दर्ज हुआ था। इस केस की कार्रवाई भी टीआई दर्शन लाल शुक्ला के निर्देश पर हुई थी।जब इस वीडियो पर जौरा थाना प्रभारी टीआई दर्शन लाल शुक्ला से बात की गई तो उन्होंने कहा कि भीड़ के बीच कौन कब आ गया, उन्हें पता ही नहीं चला। उन्होंने कहा कि कंधे पर उठाने वाला व्यक्ति उनके थाने का मुखबिर है और उसने कुछ मामलों में सूचना देकर काम भी करवाया है। टीआई के मुताबिक, वे स्टाफ से कहते रहे कि लवकुश ने खबर दी है, उससे संपर्क कर कार्रवाई की जाए।

न्यूज ब्रीफ

MLS- लियोनल मेसी के 2 गोल से जीता इंटर मियामी:पिछड़ने के बाद कमबैक किया

दिग्गज फुटबॉलर लियोनल मेसी के शानदार 2 गोल की बदौलत इंटर मियामी ने ओरलैंडो सिटी को 4-2 से हरा दिया। रविवार रात इंटर एंड कंपनी स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में मियामी ने 2 गोल से पिछड़ने के बाद जबरदस्त वापसी की और मैच जीता। खास बात यह रही कि इंटर मियामी ने अपने इतिहास में पहली बार ओरलैंडो के घरेलू मैदान पर जीत दर्ज की, इससे पहले खेले गए 9 मैचों में टीम को यहां कभी जीत नहीं मिली थी।

हाफ टाइम तक 2-0 से आगे था ओरलैंडो मैच की शुरुआत इंटर मियामी के लिए किसी बुरे सपने जैसी रही। ओरलैंडो सिटी ने होम कंडीशन का फायदा उठाते हुए शुरुआती 25 मिनट में ही मियामी को बैकफुट पर धकेल दिया था।

18वां मिनट- मार्को पासालिक ने इवान एंगुलो के पास पर गोल कर ओरलैंडो को 1-0 की बड़त दिलाई। पासालिक का मियामी के खिलाफ यह लगातार चौथा गोल रहा। 24वां मिनट- डिफेंडर ग्रिफिन डोर्सी की मदद से मार्टिन ओजेडा ने दूसरा गोल दागकर स्कोर 2-0 कर दिया। हाफ टाइम तक मियामी की टीम परेशानी में नजर आई। मियामी की सीजन में पहली जीत इंटर मियामी पिछले मैच में लॉस एंजिल्स के खिलाफ 3-0 से हार गई थी।

सूर्या ने सैमसन के सम्मान में टोपी उतारी:जीत के बाद संजू घुटनों पर बैठे

भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप में वेस्टइंडीज को 5 विकेट से हरा दिया। रविवार को वेस्टइंडीज के 195 रन के जवाब में भारत ने 19.2 ओवर में 5 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल किया। लेकिन स्कोरकार्ड से ज्यादा याद रह गया वो पल, जब 97* रन बनाकर विजयी शॉट लगाने वाले संजू सैमसन घुटनों पर बैठ गए।

सूर्या ने टोपी उतारकर अपने मैच विनर को सलाम किया और ईडन गार्डेन्स तालियों से गूंज उठा। इससे पहले भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने धूल उड़ाकर बॉलिंग एंड चुना। संजू सैमसन ने 20वें ओवर में रोमारियो शेफर्ड की दूसरी गेंद पर चौका लगाकर भारत को सेमीफाइनल में पहुंचाया। विनिंग शॉट लगाने के बाद उन्होंने हेलमेट निकालकर बाईं ओर फेंक दिया। इसके बाद वह घुटनों के बल बैठ गए, आसमान की ओर देखा और फिर हाथ जोड़कर भगवान को शुक्रिया कहा। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने मैच जीतने के बाद शानदार पारी खेलने वाले संजू सैमसन का अनोखे तरीके से सम्मान किया। सैमसन ने 20वें ओवर की पहली गेंद पर छक्का और दूसरी गेंद पर चौका लगाकर भारत को मैच जिताया। नाबाद पारी खेलने के बाद जब सैमसन डगआउट की ओर जा रहे थे, तब कप्तान सूर्या ने अपनी टोपी उतारी और सिर झुकाकर उनका सम्मान किया।

टी-20 वर्ल्डकप- भारत को सेमीफाइनल तक पहुंचाने वाले 5 हीरोज:सैमसन ने विंडीज से करो या मरो मैच जिताया; बुमराह-ईशान ने पाकिस्तान को हराया

डिफेंडिंग चैंपियन भारत ने छठी बार टी-20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में जगह बना ली। टीम इंडिया ने अपने अभियान का आगाज लीग स्टेज के तीनों मैच जीतकर किया। लेकिन, सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली भारतीय टीम पहला सुपर-8 मैच साउथ अफ्रीका से हार गई।

अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में मिली हार के बाद टीम इंडिया की सेमीफाइनल में पहुंचने की राह मुश्किल हो गई थी। इसके बाद उसने लगातार दो मैच जीतकर टॉप-4 में एंट्री की।

कोलकाता में भारत-वेस्टइंडीज का मैच करो या मरो था। टॉस हारकर पहले बैटिंग कर रही कैरेबियाई टीम ने 20 ओवर में 195 रन बनाए। संजू सैमसन 196 रन चेज कर रही भारतीय टीम से ओपन करने उतरे और मैच जिताकर लौटे। सैमसन ने 50 बॉल पर नाबाद 97 रनों की पारी खेली। सैमसन 3 मैच में एक फिफ्टी के सहारे 143 रन बना चुके हैं।14 फरवरी को कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में इंडिया ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 175 रन बनाए। 176 रन चेज कर रही पाकिस्तान ने एक रन पर साहिबजादा फरहान का विकेट गंवाया।

अगले ही ओवर में बुमराह ने सईम अयूब (6 रन) और कप्तान कप्तान सलमान अली आगा (4 रन) को पवेलियन भेजकर पाकिस्तान को दबाव में डाल दिया।

इससे पाकिस्तानी टीम उबर नहीं सकी और 61 रन से हार गई। इस जीत ने भारत को सुपर-8 में पहुंचा दिया। ईशान मौजूदा वर्ल्ड कप में भारत के टॉप स्कोरर की लिस्ट में दूसरे स्थान पर हैं। उन्होंने नामीबिया के खिलाफ 61 और पाकिस्तान के खिलाफ 77 रन बनाए। वे पाकिस्तान के खिलाफ अभिषेक शर्मा के साथ ओपन करने उतरे। लेकिन अभिषेक जीरो पर आउट हो गई।

ऐसे में ईशान ने तिलक वर्मा के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 88 रन की साझेदारी की। इस साझेदारी ने टीम इंडिया को 175 रन के स्कोर तक पहुंचाया।

टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के टॉप-3 विकेट टेकर्स में शामिल हैं। भारत के टॉप विकेट टेकर हैं। अब तक खेले गए 7 मैचों में 12 विकेट चटका चुके हैं।

नामीबिया और नीदरलैंड के खिलाफ 3-3 विकेट लिए थे। पाकिस्तान के खिलाफ भी 2 विकेट चटकाए थे।

भारत में 1 टेस्ट और 3 वनडे खेलेगा अफगानिस्तान: धर्मशाला, मुल्लांपुर, चेन्नई और लखनऊ को मेजबानी

अफगानिस्तान टीम 6 से 20 जून के बीच भारत में 1 टेस्ट और 3 वनडे खेलेगी। IPL का 19वां सीजन खत्म होने के बाद सीरीज शुरू होगी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने शेड्यूल रिलीज करते हुए बताया कि मुल्लांपुर में टेस्ट मैच से सीरीज शुरू होगी। फिर धर्मशाला, लखनऊ और चेन्नई में 3 वनडे खेले जाएंगे।

14 जून को पहला वनडे BCCI ने मीडिया रिलीज में बताया कि महाराजा यादवेंद्र सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में 6 से 10 जून तक टेस्ट मैच होगा। फिर 14 जून को HPCA स्टेडियम में पहला वनडे, 17 जून को इकाना स्टेडियम में

दूसरा वनडे और 20 जून को चेपॉक स्टेडियम में तीसरा वनडे खेला जाएगा। सभी वनडे दोपहर 1.30 बजे से शुरू होंगे। वर्ल्ड कप खेल रही है टीम इंडिया टीम इंडिया फिलहाल होमग्राउंड पर टी-20 वर्ल्ड कप खेल रही है। भारत ने रविवार को सुपर-8 स्टेज मैच में वेस्टइंडीज को हराया और सेमीफाइनल में जगह बनाई। जहां टीम का सामना 5 मार्च को इंग्लैंड से होगा, मुकाबला मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा। टूर्नामेंट का फाइनल 8 मार्च को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होगा। दूसरी ओर अफगानिस्तान टीम ग्रुप स्टेज भी पार नहीं कर सकी। टीम को न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका के खिलाफ हार मिली।

अफगानिस्तान ने UAE और कनाडा को जरूर हराया, लेकिन ये जीत सुपर-8 स्टेज में पहुंचने के लिए काफी नहीं थीं।

अफगानिस्तान ने टेस्ट करियर भारत के खिलाफ ही शुरू किया अफगानिस्तान ने अपने टेस्ट करियर की शुरुआत ही टीम इंडिया के खिलाफ मैच से की थी। 2018 में बेंगलुरु के मैदान पर भारत ने पारी और 262 रन से मुकाबला जीत लिया था। तब से अफगानिस्तान ने 13 टेस्ट खेले, 4 जीते और 7 गंवा दिए। जबकि 2 ड्रॉ रहे।

प्रीमियर लीग फुटबॉल- आर्सनल ने चेल्सी को 2-1 से हराया:पॉइंट्स टेबल में टॉप पर पहुंचा

इंग्लिश प्रीमियर लीग (EPL) में खिताबी जंग अब और रोमांचक हो गई है। रविवार को एमिरेट्स स्टेडियम में खेले गए हाई-वोल्टेज लंदन डर्बी में टेबल टॉपर आर्सनल ने चेल्सी को 2-1 से हरा दिया। इस जीत के साथ टीम ने पॉइंट्स टेबल में नंबर-1 पर अपनी पोजिशन स्ट्रॉन्ग भी कर ली। मैनचेस्टर सिटी 59 पॉइंट्स के साथ दूसरे नंबर पर है। वहीं, एक अन्य मुकाबले में मैनचेस्टर यूनाइटेड ने क्रिस्टल पैलेस पर रोमांचक जीत दर्ज कर तीसरा स्थान हासिल कर लिया है। टीम से ब्रूनो फर्नांडेज ने बेहतरीन गोल दागा। चेल्सी को भारी पड़ी रेड कार्ड की मार मैच के आखिर में चेल्सी के पेड्रो नेटो को अंपायर से बहस और फाउल के कारण दूसरा यलो कार्ड मिला।

2 यलो कार्ड के कारण उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा, जिससे टीम को 10 खिलाड़ियों से ही मैच खेलना पड़ा। चेल्सी फिलहाल 45 पॉइंट्स के साथ छठे नंबर पर है। ओल्ड ट्रैफर्ड में मैनचेस्टर यूनाइटेड ने एक गोल से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए क्रिस्टल पैलेस को 2-1 से हरा दिया। पैलेस की तूफानी शुरुआत: मैच के चौथे मिनट में ही मैक्सेंस लैक्रोइक्स ने हेडर से गोल कर पैलेस को बढ़त दिला दी।

सैमसन सेंचुरी नहीं, जीत के लिए खेले- हफीज:तेंदुलकर बोले- संजू को देखना शानदार अनुभव

भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप में वेस्टइंडीज को 5 विकेट से हराया और सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। कोलकाता में रविवार को संजू सैमसन भारत के हीरो रहे, जिन्होंने 97 रन की नॉटआउट इनिंग खेली। भारत की जीत पर क्रिकेट के भगवान सचिन तेंदुलकर ने कहा कि संजू की बैटिंग देखना शानदार अनुभव रहा। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान मोहम्मद हफीज ने भी सैमसन की तारीफ की, उन्होंने कहा कि संजू सेंचुरी नहीं, टीम की जीत के लिए खेले। वहीं भारत के वसीम जाफर बोले, संजू ने प्रेशर सिचुएशन में अपनी बेस्ट पारी खेली।

सचिन तेंदुलकर बोले- संजू को देखना शानदार अनुभव क्रिकेट के भगवान सचिन तेंदुलकर ने कहा, सेमीफाइनल स्पॉट लाइन पर थी, और लड़कों ने बेहतरीन खेल दिखाया। दोनों ही पारियों के डेथ ओवर्स में हम आगे रहे। संजू सैमसन के शांत स्वभाव को देखना एक शानदार अनुभव रहा। इस तरह

की पारियां टीम में नई जान फूंक देती है। सभी बेहतरीन खेले। अब सेमीफाइनल की बारी है।

संजू शतक नहीं, जीत के लिए खेले- हफीज पाकिस्तान के पूर्व कप्तान मोहम्मद हफीज ने कहा, संजू कभी पर्सनल माइलस्टोन के लिए नहीं खेल रहे थे। उन्होंने टीम की जरूरत के हिसाब से बैटिंग की। वे सेंचुरी के लिए नहीं, बस जीत के लिए खेले। उनमें शतक बनाने का लालच नजर ही नहीं आया, बड़े प्लेटफॉर्म पर यही चीजें आपको बाकी प्लेयर्स से अलग और बेस्ट बनाती हैं। इरफान पठान बोले- संजू ने दिखाई मास्टरक्लास टीम इंडिया के पूर्व तेज गेंदबाज इरफान पठान ने कहा, संजू ने 12 से 19 ओवर के बीच एक भी शॉट हवा में नहीं खेला।

ईरान फीफा वर्ल्ड कप का बॉयकॉट कर सकता है:फेडरेशन प्रेसिडेंट बोले- जंग के बीच अमेरिका में फुटबॉल खेलना मुश्किल

फुटबॉल की दुनिया के सबसे बड़े टूर्नामेंट फीफा वर्ल्ड कप 2026 पर युद्ध का साया मंडराने लगा है। इजरायल और अमेरिका के हमलों के कारण ईरान टूर्नामेंट का बॉयकॉट कर सकता है। ईरान फुटबॉल फेडरेशन के प्रेसिडेंट मेहदी ताज ने कहा है कि मौजूदा हालातों में नेशनल टीम का अमेरिका जाकर फुटबॉल खेलना बेहद मुश्किल है। वर्ल्ड कप 11 जून से 19 जुलाई के बीच अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा में खेला जाएगा। ईरान को अपने तीनों मैच अमेरिका में ही खेलने हैं।

उम्मीद के साथ वर्ल्ड कप नहीं देख सकते- मेहदी ईरानी स्पोर्ट्स वेबसाइट वर्ज़िश-3 से बातचीत में मेहदी ताज ने कहा, इस हमले के बाद हमसे यह उम्मीद नहीं की जा सकती कि हम आशा और उत्साह के साथ वर्ल्ड कप की ओर देखें।

अमेरिका और इजरायल के हमलों में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई मारे गए। इससे पूरे मिडिल ईस्ट में तनाव का माहौल बन

गया। ट्रंप सरकार ने ट्रैवल बैन भी लगाया ईरान के लिए स्पोर्ट्स के अलावा राजनीतिक परेशानियां भी कम नहीं हैं। ट्रंप सरकार ने ईरानी फैंस को देश में एंट्री देने से मना कर दिया है। ऐसे में ईरानी टीम का अमेरिका जाकर खुलकर खेल पाना भी मुश्किल लग रहा है। फीफा ने अब तक कुछ नहीं कहा वर्ल्ड कप 11 जून से 19 जुलाई तक अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको में होना है। ईरान-इजरायल के मामले पर इंटरनेशनल फुटबॉल फेडरेशन ने कोई ऑफिशियल बयान नहीं दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अगर ईरान ने टूर्नामेंट से नाम वापस लिया तो फीफा को फाइनेंशियल नुकसान उठाना पड़ सकता है। क्रिकेट वर्ल्ड कप में बांग्लादेश बॉयकॉट कर चुका खेल जगत में यह पहला मौका नहीं है जब कोई देश वर्ल्ड कप बॉयकॉट करने के बारे में सोच रहा हो। पिछले महीने ही बांग्लादेश क्रिकेट टीम ने सुरक्षा कारणों को हवाला देते हुए भारत में टी-20 वर्ल्ड कप खेलने से मना कर दिया था।

पाकिस्तान की वर्ल्डकप टीम के प्लेयर्स पर 50-50 लाख जुर्माना:टीम के खराब प्रदर्शन से PCB नाराज, बोला- हारने की सजा मिलनी चाहिए

टी-20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के खराब प्रदर्शन के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) ने बड़ा कदम उठाया है। बोर्ड अपने खिलाड़ियों से जुर्माना वसूलने वाला है। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून के मुताबिक, पाकिस्तान के हर खिलाड़ी पर 50 लाख पाकिस्तानी रुपए (16.28 लाख भारतीय रुपए) का जुर्माना लगाया गया। बोर्ड अधिकारियों ने साफ कर दिया है कि अब खिलाड़ियों को आर्थिक फायदा केवल अच्छे प्रदर्शन के आधार पर ही मिलेगा।

पाकिस्तानी फैंस के साथ बोर्ड अधिकारी भी टीम के प्रदर्शन से बेहद नाराज हैं। भारत के खिलाफ मैच हारने के बाद ही हर पाकिस्तानी खिलाड़ी पर 50 लाख रुपये का जुर्माना लगा दिया गया था। PCB ने कहा कि अगर अच्छे प्रदर्शन पर इनाम मिलता है, तो खराब

प्रदर्शन पर सजा भी मिलेगी। भारत से हार के तुरंत बाद टीम को यह फैसला बता दिया गया था। पाकिस्तान में नेशनल टीम का हिस्सा प्लेयर्स को 4 कैटेगरी में सैलरी मिलती है। ए कैटगरी में करीब 65 लाख, बी कैटेगरी में 45 लाख, सी कैटेगरी में 20 लाख और डी कैटेगरी में 12.50 लाख रुपए हर महीने मिलते हैं।

हालांकि, जुलाई 2025 से जून 2026 के पिछले कॉन्ट्रैक्ट में PCB ने किसी भी खिलाड़ी को ए कैटेगरी में नहीं रखा। यानी जुर्माने के बाद बी कैटेगरी प्लेयर्स की करीब एक महीने की सैलरी कट जाएगी। वहीं सी और डी कैटेगरी के प्लेयर्स को 2 से 3 महीने की सैलरी जुर्माने में देनी पड़ेगी।

श्रीलंका पर जीत के बावजूद बाहर हुआ पाकिस्तान पाकिस्तान ने ग्रुप स्टेज के पहले मैच में नीदरलैंड के खिलाफ मुश्किल से जीत दर्ज की। इसके बाद ग्र को हराया। श्रीलंका की परिस्थितियों और स्पिन गेंदबाजों के दम पर भारत के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद थी, लेकिन टीम 61 रन से हार गई। पाकिस्तान फिर नामीबिया को आखिरी मैच हराकर सुपर-8 स्टेज में पहुंचा। सुपर-8 स्टेज में न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच बारिश में धुल गया। इंग्लैंड ने करीबी मुकाबला हरा दिया।

लखनऊ में बच्चों संग खेले युवराज सिंह:लड़कियों को मोटिवेट कर बोले- अच्छा कैच पकड़ा, ल?कों कुछ सीख लो

लखनऊ, क्रिकेटर युवराज सिंह सोमवार को लखनऊ के इकाना स्टेडियम पहुंचे। यहां उन्होंने बच्चों को क्रिकेट की टिप्स दिए। इस दौरान बच्चों ने बॉलिंग की और युवराज ने बैटिंग। इसी के साथ युवराज ने कैच लेने की प्रैक्टिस कराई। इस दौरान युवराज सिंह ने लड़कियों की तारीफ करते हुए कहा- बहुत अच्छा कैच पकड़ा है। लड़कों देख लो...। उन्होंने खिलाड़ियों से कहा- आप सभी को हर बॉल पर तैयार रहना चाहिए। मैदान पर कभी भी लूज होकर नहीं खड़े होना चाहिए। लूज खड़े रहने पर कैच छूटेगा, बॉल चली जाएगी। रिलैक्स होकर हल्के हाथ से कैच पकड़ा जाता है। इस दौरान युवराज ने अपने बैट छोड़कर भागने का अपना एक

किस्सा भी सुनाया। कैसे लगाएं बड़ी हिट, युवराज ने बताया युवराज सिंह ने खिलाड़ियों को बॉलिंग करने के टिप्स दिए। बताया कि स्पिन गेंदबाजी के साथ में पेस अटैक पर किस तरह से सही लाइन लेंथ पर बॉल की जाती है। बॉलिंग करते समय बॉडी का पॉस्चर क्या होना चाहिए? बॉल कहां से कब रिलीज करनी होती है? इसके साथ ही युवराज ने चौके-छक्के कैसे लगाएं, यह भी बताया। युवराज के मार्गदर्शन में खिलाड़ियों ने बॉलिंग और बैटिंग भी की। बोले- यूपी में हैं तो हिंदी में बात करते हैं युवराज सिंह ने एक सवाल के जवाब में कहा- पहली बात मैं तीन बार का वर्ल्ड कप विनर हूं। यूपी में हैं, तो हिंदी में बात करेंगे। कई बार आप सोचते हैं कि सब बच्चे कर लेते हैं। ऐसा नहीं है। बच्चे सपोर्ट से आगे बढ़ते हैं। एक बच्चे का सपना सच करना बड़ी बात होती है। कई बच्चे क्रिकेट किट नहीं होने पर क्रिकेट खेलना छोड़ देते हैं। अब मैं क्रिकेट एकेडमी में बच्चों को क्रिकेट सिखा रहा हूं।

होली पर लौटाए 90 गुमशुदा मोबाइल

छतरपुर। होली के पावन पर्व पर छतरपुर पुलिस ने ऑपरेशन विश्वास के तहत दर्जनों परिवारों की खुशियां दोगुनी कर दी हैं। पुलिस अधीक्षक अगम जैन के निर्देशन में चलाए जा रहे इस विशेष अभियान के अंतर्गत साइबर सेल और विभिन्न थानों की संयुक्त टीम ने पिछले एक माह में गुम हुए 90 मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक स्वामियों को सौंप दिए हैं। बरामद किए गए इन मोबाइलों की अनुमानित कीमत लगभग 14 लाख रुपये बताई गई है।

जानकारी के अनुसार पुलिस टीम ने न केवल जिले के भीतर बल्कि उत्तर प्रदेश के हमीरपुर, महोबा, झांसी सहित पड़ोसी जिलों सागर, पन्ना और निवाड़ी जैसे दूरस्थ क्षेत्रों से इन मोबाइलों को ट्रैक कर बरामद किया है। विशेष बात यह है कि ये मोबाइल फोन छात्रों, किसानों, मजदूरों और गृहणियों के थे, जिनके लिए मोबाइल केवल संचार का साधन नहीं बल्कि उनकी मेहनत की कमाई का हिस्सा था। उल्लेखनीय है कि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आदित्य पटले के मार्गदर्शन में साइबर सेल प्रभारी उप निरीक्षक नेहा सिंह गुर्जर और उनकी टीम ने इस वर्ष अब तक कुल 300 से अधिक मोबाइल फोन बरामद करने में सफलता हासिल की है, जिनकी कुल कीमत लगभग 54 लाख रुपये है।

आरोपों के बीच आरकेटीसी का पक्ष आया सामने

कंपनी बोली – श्रमिक हित सर्वोपरि, बेबुनियाद आरोपों से छवि खराब करने की साजिश

जुगुल किशोर मिश्रा

शहडोल/धनपुरी। एसईसीएल सोहागपुर क्षेत्र की अमलाई खुली खदान में कार्यरत ठेका कंपनी आरकेटीसी के खिलाफ हाल ही में लगाए गए आरोपों के बाद अब कंपनी का पक्ष सामने आया है। कंपनी प्रबंधन ने स्पष्ट कहा है कि श्रमिकों के शोषण, अधिकारों की अनदेखी और मनमानी जैसे आरोप पूरी तरह भ्रामक एवं तथ्यहीन हैं तथा इससे कंपनी की साख को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की जा रही है। कंपनी का कहना है कि वर्षों से क्षेत्र में कार्य करते हुए आरकेटीसी ने श्रमिकों के रोजगार, सुरक्षा और स्थानीय विकास को प्राथमिकता दी है और सभी कार्य नियमानुसार किए जा रहे हैं।

नियमों के तहत हो रहा संचालन:

आरकेटीसी प्रबंधन के अनुसार कंपनी एसईसीएल और श्रम विभाग द्वारा निर्धारित सभी नियमों का पालन कर रही है। श्रमिकों को निर्धारित वेतन, सुरक्षा उपकरण और सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

प्रबंधन का कहना है कि कुछ असंतुष्ट तत्वों द्वारा व्यक्तिगत स्वार्थ के चलते मुद्दों को बढ़ा-चढ़ाकर प्रस्तुत किया जा रहा है, जबकि वास्तविक स्थिति इससे बिल्कुल अलग है। कंपनी सूत्रों ने बताया कि समय-समय पर श्रमिकों के साथ बैठकें आयोजित कर समस्याओं का समाधान किया जाता रहा है और किसी भी कर्मचारी की शिकायत लंबित नहीं रखी जाती।

श्रमिकों के हित में किए गए कार्य गिनाए: कंपनी की ओर से जारी जानकारी में बताया गया कि स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता देकर रोजगार दिया गया है, सुरक्षा मानकों के अनुरूप कार्यस्थल विकसित किए गए हैं, मेडिकल सुविधा एवं सुरक्षा प्रशिक्षण नियमित रूप से आयोजित किए जा रहे हैं और श्रमिक भुगतान प्रक्रिया पारदर्शी रखी गई।प्रबंधन का दावा है कि यदि कहीं कोई व्यक्तिगत विवाद है तो उसे संस्थागत मुद्दा बनाकर प्रस्तुत करना उचित नहीं है।

यूनियन विवाद को बताया आंतरिक मामला: आरकेटीसी (ऋ्यञ्ञष्ट)का कहना है कि यूनियन से जुड़े विवाद कंपनी और श्रमिकों के बीच का मुद्दा नहीं बल्कि कुछ संगठनों के आंतरिक मतभेदों का परिणाम है। कंपनी ने कहा कि वह किसी भी श्रमिक संगठन के साथ संवाद के लिए हमेशा तैयार रही है और आगे भी रहेगी।

राजपूत करणी सेना ने किया समर्थन

राजपूत करणी सेना के प्रदेश मंत्री श्री देवी सिंह ने पूरे मामले में कंपनी के समर्थन में बयान जारी करते हुए कहा कि बिना तथ्य जांचे किसी भी कंपनी की छवि धूमिल करना उचित नहीं है।उन्होंने कहा- ओआरकेटीसी क्षेत्र के युवाओं को आवश्यकतानुसार रोजगार उपलब्ध करा रही है।कुछ लोग निजी हितों के कारण अनावश्यक विवाद खड़ा कर रहे हैं। यदि किसी को शिकायत है तो प्रशासनिक स्तर पर समाधान होना चाहिए।' श्री सिंह ने यह भी कहा कि उद्योगों को बदनाम करने से क्षेत्र के युवाओं के रोजगार पर असर पड़ता है, इसलिए जिम्मेदार रवैया अपनाना जरूरी है।

इनका कहना है

'कंपनी हमेशा से श्रमिकों के अधिकार, सुरक्षा और पारदर्शिता को सर्वोच्च प्राथमिकता देती रही है। सभी कार्य संबंधित विभागों के नियमों एवं श्रम कानूनों के तहत संचालित किए जा रहे हैं।'

ओंकार सिंह, जनसंपर्क अधिकारी,आरकेटीसी

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कृषि कैबिनेट को लेकर सरकार पर साधा निशाना,

क्या भगोरिया देखने या कैबिनेट बैठक करने से आदिवासी किसानों का विकास हो जाएगाः उमंग सिंघार

धार। मध्यप्रदेश विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने बड़वानी में हुई कृषि कैबिनेट को लेकर सोमवार को कहा कि आज दो दशक से सत्ता में काबिज़ भाजपा सरकार ने 'कृषक कल्याण वर्ष 2026' के अंतर्गत भोपाल से करीब 350 किलोमीटर दूर आदिवासी बहुल बड़वानी जिले के नागलवाड़ी में पहली 'कृषि कैबिनेट' की बैठक आयोजित की।

दावा किया गया था कि इससे किसानों को सीधा फायदा पहुंचेगा और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए नई योजनाएँ लाई जाएँगी, ताकि आय दोगुनी हो सके। लेकिन बड़वानी और निमाड़ क्षेत्र के किसानों को आखिर क्या मिला? कोरी घोषणाएं और मंत्रियों को पर्यटन। कैबिनेट बैठक ने वरला और पानसेमल में एक सिंचाई परियोजना को मंजूरी देकर पोंछा मारने का प्रयास किया है।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि सरकार ने सरसों को भावांतर योजना में शामिल करने का फैसला लिया गया है, जबकि निमाड़ के किसान मुख्य रूप से कपास और मकई उगाते हैं। आधुनिक नवीन कृषि उपज मंडी बनाने की घोषणा भी पुरानी घोषणा है। कुल मिलाकर, यह बैठक किसान कल्याण से ज्यादा प्रचार और छवि-निर्माण का माध्यम ज्यादा प्रतीत होती है। अगर सरकार चाहती तो सचमुच क्षेत्र के किसानों का विकास कर सकती थी।

उन्होंने कहा कि बड़वानी जिले की मुख्य फसलें कपास (कॉटन), सोयाबीन, मक्का व फलों में केला और पपीता हैं। यदि इनसे जुड़े उद्योग लगाए जाते, तो आदिवासी किसानों को वास्तविक लाभ मिलता। आज जिले में कपास उद्योग को लगभग समाप्त कर दिया गया है। आज कॉटन कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया दावा करता है कि वह किसानों से रूस्क पर कपास खरीदता है, लेकिन वास्तव में यह व्यवस्था व्यापारियों और बिचौलियों को अधिक फायदा पहुँचाती है। जब छोटे और मझोले किसान अपनी फसल व्यापारियों को बेच चुके होते हैं, तब सीसीआई रूस्कपर खरीद शुरू करता है।

बड़वानी जिले का सेंधवा ब्लॉक कभी 'कॉटन बॉल' के नाम से जाना जाता था, लेकिन आज अधिक मंडी टैक्स और अन्य कारणों से व्यापार महाराष्ट्र और गुजरात की ओर शिफ्ट हो गया है। अगर मक्का की बात करें तो पिछले साल किसानों को मजबूरन ?12-14 प्रति किलो के भाव पर बेचना पड़ा, जबकि बाजार में भाव ?35 प्रति किलो तक था।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत 2025 खरीफ सीजन में जिले के 30,324 किसानों ने नामांकन किया और प्रीमियम के रूप में कंपनियों को लगभग 52 करोड़ रुपये मिले। लेकिन आश्चर्यजनक रूप से केवल 22 किसानों को कुल ?2 लाख का क्लेम देकर मामला खत्म कर दिया गया।

कहने को जिले में तीन इंडस्ट्रियल पार्क हैं और नेशनल हाईवे से जुड़ा होने के बावजूद यह क्षेत्र उद्योग के रूप में स्थापित नहीं हो पाया है। इसी कारण पलायन बढ़ता जा रहा है। नागलवाड़ी से सटे राजपुर जुलवानिया में हर रोज मजदूरों की बोली लगती है और प्रतिदिन 200 पिकअप व बसें गुजरात व महाराष्ट्र के लिए रवाना होती हैं, क्योंकि वहाँ मध्य प्रदेश से अधिक मजदूरी मिलती है।

सिंघार ने आगे कहा कि आज जिले के 90 से अधिक गांव सरदार सरोवर डैम के डूब क्षेत्र में आते हैं। किसान हर साल नुकसान उठाते हैं, सरकार मुआवजे का वादा करती है, लेकिन मुआवजा नहीं मिलता।

इन सब कारणों से जिला विकास के बजाय लगातार पिछड़ रहा है। ह्ढ्ढञ्ज्ञ्ढ आयोग की मल्टी-डायमेंशनल पॉवर्टी इंडेक्स में यह ज़िला पांचवें स्थान पर है, और जिले के 60,000 बच्चे अंडरवेट हैं तथा 23% से 55% तक बच्चे कुपोषण का शिकार हैं। उन्होंने कहा मुझे उम्मीद थी कि मुख्यमंत्री और उनकी कैबिनेट इस क्षेत्र के किसानों के विकास तथा उनकी आय दोगुनी करने की ठोस योजनाएँ पेश करेंगे, लेकिन अफसोस कि यह कृषि कैबिनेट बैठक भी मुख्यमंत्री के विदेश दौरे जैसी साबित हुई – सिर्फ़ दिखावा है। आखिर में याद दिला दूँ कि नागलवाड़ी को शिवराज सिंह चौहान जी ने मुख्यमंत्री रहते 'धार्मिक पर्यटक स्थल' बनाने की घोषणा की थी, जो आज तक पूरी नहीं हुई। वहीं आज हुई घोषणाओं का भगवान ही मालिक है। रही बात 'कृषक कल्याण वर्ष' की, तो 22 वर्षों में भाजपा सरकार के शासन में चाहे बीज वितरण हो, खाद वितरण हो, सिंचाई का पानी हो, बिजली हो, मंडी व्यवस्था हो या रूस्क; किसान इन सभी मुद्दों से रोज जूझ रहा है। कृषि मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, मध्य प्रदेश के किसानों की औसत मासिक आय मात्र ?8,339 है, जो राष्ट्रीय औसत से लगभग ?2,000 कम है। कम आय के कारण किसानों पर कर्ज बढ़ता जा रहा है। आज प्रदेश के हर किसान पर औसतन ?1.84 लाख का कर्ज है। बढ़ते कर्ज और घटते मुनाफे के कारण किसान आत्महत्या के लिए मजबूर हो रहे हैं।

2025 में जारी रिपोर्ट के अनुसार, 2023 में प्रदेश में 777 किसानों और कृषि से जुड़े लोगों ने आत्महत्या की, यानी हर रोज दो से अधिक। वहीं 2022 में यह संख्या 641 थी। आज मंडी बोर्ड और खाद्य आपूर्ति निगम भी कर्ज में डूबे हैं।

बॉबी राजा बने भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश मंत्री

छतरपुर। भारतीय जनता पार्टी के युवा नेता बॉबी राजा गठेवरा को भाजपा किसान मोर्चा का प्रदेश मंत्री नियुक्त किए जाने पर समूचे जिले में हर्ष की लहर दौड़ गई है। इस नई और महत्वपूर्ण जिम्मेदारी की घोषणा होते ही छतरपुर के कार्यकर्ताओं और उनके समर्थकों में भारी उत्साह देखा गया, जिसका नजारा शहर की सड़कों पर साफ दिखाई दिया। बॉबी राजा की नियुक्ति पर बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं ने ढोल-नगाड़ों की थाप पर जमकर नृत्य किया और जोरदार आतिशबाजी कर अपनी खुशी जाहिर की। जश्न का माहौल बॉबी राजा के निवास के बाहर भी देखने को मिला, जहाँ उनके समर्थकों और स्थानीय नागरिकों का तांता लगा रहा। उत्साहित समर्थकों ने उन्हें फूल-मालाओं से लाद दिया और मिठाई खिलाकर उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। कार्यकर्ताओं का मानना है कि छतरपुर के एक सक्रिय युवा चेहरे को प्रदेश स्तर पर पहचान मिलने से संगठन को जिले में और अधिक मजबूती मिलेगी। जिले वासियों ने भी इस नियुक्ति पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा है कि बॉबी राजा के नेतृत्व में अब क्षेत्र के किसानों की समस्याओं को प्रदेश स्तर पर और अधिक मजबूती एवं प्रखरता के साथ उठाया जा सकेगा। युवाओं और किसानों के बीच उनकी पकड़ को देखते हुए इस नियुक्ति को आगामी राजनैतिक समीकरणों के लिहाज से भी काफी अहम माना जा रहा है।

प्रशिक्षण महाअभियान अंतर्गत एक दिवसीय कार्यशाला संपन्न

धार। भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महा अभियान 2026 के अंतर्गत जिला स्तरीय कार्यशाला जिला मुख्यालय स्थित भाजपा जिला कार्यालय में शनिवार को संपन्न हुई। कार्यशाला को भाजपा संगठन इंदौर संभाग रणवीर सिंह रावत, केंद्रीय राज्यमंत्री क्षेत्रीय सांसद श्रीमती सावित्री ठाकुर भाजपा जिला अध्यक्ष महंत निलेश भारती, प्रशिक्षण संभाग प्रभारी दिलीप पटोंदिया सह प्रभारी अनंत व अशोक अधिकारी जिला संगठन प्रभारी सुभाष कोठारी विधायक श्रीमती नीना वर्मा पूर्व मंत्री राजवर्धन सिंह दत्तीगांव ने संबोधित किया। इस दौरान जिला टोली से राकेश पटेल अक्षय शर्मा अल्पना जोशी कपिल निनामा मंचासीन रहें। कार्यशाला का शुभारंभ भारत माता, पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ.श्यामाप्रसाद मुखर्जी के चित्रों पर माल्यार्पण एवं वंदे मातरम् के साथ किया गया। इसके बाद अतिथियो का स्वागत किया गया।

जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का भव्य आयोजन खेल परिसर रायसेन में संपन्न

जिला ब्यूरो ईशान अग्रवाल

दैनिक एशियन रिपोर्टर रायसेन। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के 'राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान' के अंतर्गत नवाचार एवं पारंपरिक खेल प्रोत्साहन हेतु जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का भव्य आयोजन खेल परिसर रायसेन में संपन्न हुआ। इस प्रतियोगिता में जिले के सभी सात विकासखण्डों की टीमों ने अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का समापन कार्यक्रम सांची विधायक डॉ प्रभुराम चौधरी के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सविता सेन, स्थानीय जनप्रतिनिधि तथा अधिकारी भी उपस्थित रहे।

जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में सात विकासखण्डों के मध्य मुकाबले के बाद सेमीफाइनल और फाइनल मैच आयोजित किया गया। पहले सेमीफाइनल में औबेदुल्लागंज ने सिलवानी को 36-28 से हराकर फाइनल में स्थान पक्का किया। दूसरे सेमीफाइनल में उदयपुरा ने बाड़ी को 27-10 से शिकस्त दी। तीसरे स्थान के लिए हुए मैच में सिलवानी ने बाड़ी को 18-02 के बड़े अंतर से हराया। जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का मुख्य आकर्षण औबेदुल्लागंज और उदयपुर के बीच खेला गया फाइनल मैच रहा। अंत में मात्र 2 अंकों के मामूली अंतर से औबेदुल्लागंज (30 अंक) ने उदयपुरा (28 अंक) पर ऐतिहासिक जीत दर्ज कर जिला स्तरीय खिताब अपने नाम किया। समापन समारोह में अतिथियों द्वारा विजेता एवं उपविजेता टीमों को ट्रॉफी और प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

'हमारी चेतना जब शुद्ध होगी, तभी हमारा जीवन पवित्र बनेगा ': मुनि श्री प्रमाणसागर महाराज

जुगुल मिश्रा

शहडोल /(बुढ़ार)। 1008 भगवान श्री शांतिनाथ जिनबिंब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव संत शिरोमणि आचार्य गुरुदेव श्री विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य मुनि श्री प्रमाण सागर महाराज, निर्यापक मुनि श्री प्रसाद सागर महाराज, मुनि श्री शीतल सागर महाराज, मुनि श्री संधान सागर महाराज एवं क्षु.श्री समादर सागर महाराज के संघ सानिध्य में भव्य रूप से संपन्न हुआ। मुनिसंघ के प्रवक्ता अविनाश जैन विद्यावाणी एवं स्थानीय मीडिया प्रभारी प्रसन्न जैन 'दीपू' ने जानकारी देते हुए बताया कि मोक्षकल्याणक के अवसर पर भगवान ने प्रातः कैलाश पर्वत पर चतुर्थ शुक्लध्यान पूर्ण कर 'मोक्ष' को प्राप्त किया। इस मंगल क्षण पर चतुर्निकाय देवों एवं समस्त श्रद्धालुओं नेहर्षोल्लास के साथ उत्सव को मनाया।

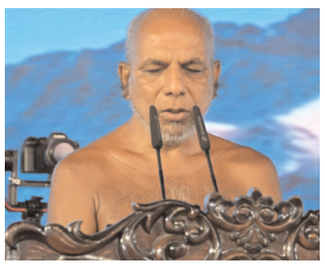

दोपहर में भगवान जिनेन्द्र देव को रथ में विराजमान कर मुनिसंघ के सानिध्य में पंचकल्याणक स्थल की सात फेरियाँ लगाई गईं।तत्पश्चात नवीन जिनालय में अभिषेक के उपरांत प्रतिष्ठाचार्य बाल ब्रह्मचारी अशोक भैया, बाल ब्रह्मचारी अभय भैया,अमित बास्तु के निर्देशन में सभी मांगलिक क्रियाओं के साथ जिनबिंबों को वेदी पर विधिवत विराजमान किया गया तथा दोपहर 2 बजे से नवीन मंदिर में शंका समाधान कार्यक्रम संपन्न हुआ।

मोक्षकल्याणक के अवसर पर मुनि श्री प्रमाणसागर महाराज ने प्रेरक संदेश देते हुये कहा- 'हमारी चेतना जब शुद्ध होगी, तभी हमारा जीवन पवित्र बनेगा। 'उन्होंने कहा कि भगवान ऋषभ देव ने चतुर्थ शुक्लध्यान के द्वारा सिद्ध अवस्था को प्राप्त किया और हम सभी ने मिलकर मोक्ष कल्याणक मनाया भगवान को तो मोक्ष मिल गया लेकिन हमने अपने जीवन में क्या प्राप्त किया?मुनि श्री ने आचार्य गुरुदेव श्री विद्यासागर जी महाराज का एक प्रसंग सुनाते हुए कहा कि गुरुदेव ने कहा था 'भगवान मोक्ष चले गए, अर्थात वे 'पास' हो गए और बाकी सब 'फेल' रह गए, और फेल होने वाले एक पास होंने बाले की खुशी को मना रहे हैं। 'उन्होंने समझाया कि सच्चे अर्थों में मोक्षकल्याणक मनाने की सार्थकता तभी है जब मन में मुक्त होने की तीव्र चाह जागृत हो और बंधन का वास्तविक अहसास हो,असली बंधन भीतर का है,मुनि श्री ने स्पष्ट किया कि घर-परिवार के बंधन उतने गहरे नहीं हैं जितने भीतर के बंधन राग, द्वेष, मोह, काम, क्रोध और लोभ के विकार है, जब तक इन आंतरिक बंधनों का अनुभव नहीं होगा, तब तक जीवन में वास्तविक उल्लास प्रकट नहीं हो सकता।

हिंगलाज मंदिर से चोरी चांदी का मुकुट एवं नगदी राशि जब्त शातिर आरोपी गिरफ्तार

जिला ब्यूरो ईशान अग्रवाल

दैनिक एशियन रिपोर्टर रायसेन। विगत दिनों बाड़ी के एतिहासिक हिंगलाज माता मंदिर से हुई चोरी का बाड़ी पुलिस नें पर्दाफाश कर दिया है 7 उच्चाधिकारियों के निर्देशन में थाना प्रभारी बाड़ी निरीक्षक राजेश तिवारी के कुशल नेतृत्व में थाना पुलिस नें चोरी करने वाले शातिर आरोपी को गिरफ्तार कर चोरी गया चंडी का मुकुट और नगद राशि जब्त करने में सफलता पाई ।

उल्लेखनीय है कि दिनांक 22 फरवरी की रात्रि में माँ हिंगलाज माता मंदिर में गेट का ताला तोड़कर मंदिर के अंदर रखी दान पेटी से नगदी राशि एवं माता जी के चांदी के आभूषण चोरी कर लिये गये थे। तब फरियादी मंदिर गुरूजी रविन्द्र कुमार चौबे की रिपोर्ट पर थाना बाड़ी में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था । प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस अधीक्षक रायसेन आशुतोष गुप्ता के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमलेश कुमार खरपूसे एवं अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) अनुभाग बाड़ी श्रीमती नीलम चौधरी के मार्गदर्शन में बाड़ी थाना पुलिस ने इस मामले को सुलझाया है 7 पुलिस नें मुखबिर सूचना के आधार पर आरोपी जितेन्द्र उर्फ जतिन उर्फ कान्हा सिकलीगर (बग्गा) पिता - सागर सिंह, उम्र - 33 वर्ष, निवासी - द्वारिकापुरी आकाश नगर, जिला इंदौर, जो कि ग्राम सतवास, थाना सतवास, जिला देवास में रह रहा था उसे गिरफ्तार करके चोरी का माल जब्त किया । आरोपी के विरुद्ध मध्यप्रदेश सहित अन्य राज्यों में चोरी, नकबजनी, लूट एवं मारपीट के कुल 15 प्रकरण पंजीबद्ध होना पाया गया है।

सराहनीय भूमिका -

उक्त सम्पूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी निरीक्षक राजेश तिवारी, उनि. संजय यादव, उनि. विनीता विश्वकर्मा, सउनि. मोहन यादव, सउनि. जे.पी. वर्मा, प्रआर. 28 जितेन्द्र, प्रआर. 615 लक्ष्मीप्रसाद मालवीय, प्रआर. 65 प्रेमसिंह दांगी, आर. 671 रमाकान्त, आर. 15 देवेन्द्र सिंह, आर. 464 रामूसिंह की सराहनीय भूमिका रही।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक,मुद्रक,एवं संपादक, कल्याण मल जैन द्वारा समता प्रिंटर्स , बी-15 प्रेस काम्प्लेक्स, जोन-1 एमपीनगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित कराकर शॉप नम्बर 3 एस के टॉवर , अल्पना टॉकीज के पीछे भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- कल्याण मल जैन , मो.8349212122, स्थानीय संपादक-कथक मल जैन। समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार (समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा।) RNI.NO.MPHIN/2013/54854